दैनिक
CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186
राजस्थान, दिल्ली, छत्तीसगढ़ से एकसाथ प्रकाशित
RNI NO. RAJHIN/2023/89729

मरुधर विशेष

Marudharvishesh@gmail.com
मो. 9653906665

अंक 02/121 | जयपुर | 20 मई /2025 | मंगलवार | मूल्य रु. 5 | पृष्ठ: 04

सुप्रीम कोर्ट बोला- भारत धर्मशाला नहीं, जो सबको शरण दे: श्रीलंकाई नागरिक की याचिका खारिज; भारत छोड़ने के आदेश को दी थी चुनौती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने श्रीलंकाई शरणार्थी से जुड़े एक मामले में सोमवार को कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। दुनियाभर से आए शरणार्थियों को भारत में शरण क्यों दें? हम 140 करोड़ लोगों के साथ संघर्ष कर रहे हैं। हम हर जगह से आए शरणार्थियों को शरण नहीं दे सकते। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने यह टिप्पणी श्रीलंकाई तमिल नागरिक की शरण याचिका खारिज करते हुए की।

दरअसल, मद्रास हाईकोर्ट ने श्रीलंकाई नागरिक को यूएपीए मामले में 7 साल की सजा पूरी होते ही तुरंत भारत छोड़ देने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ उसने सुप्रीम

कोर्ट में याचिका दाखिल कर हस्तक्षेप करने की मांग की थी। याचिकाकर्ता की तरफ से आर. सुधाकरन, एस. प्रभु रामसुब्रमण्यम और वैरावन एएस ने कोर्ट में दलील दी।

समझें पूरा मामला

यह केस एक श्रीलंकाई तमिल नागरिक का है, जिसे 2015 में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (LTTE) से जुड़े होने के शक में तमिलनाडु पुलिस की Q ब्रांच ने दो अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया था।

LTTE पहले श्रीलंका में सक्रिय एक आतंकी संगठन था। 2018 में एक निचली अदालत ने याचिकाकर्ता को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) के तहत 10 साल की सजा सुनाई थी। 2022 में मद्रास हाई कोर्ट ने सजा को सात साल कर दिया और कहा कि सजा पूरी होने के बाद उसे देश छोड़ना होगा और निर्वासन से पहले शरणार्थी कैंप में रहना होगा

याचिकाकर्ता श्रीलंका में वांटेड व्यक्ति घोषित

याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वह वीजा लेकर भारत आया है। श्रीलंका में उसकी जान को खतरा है। उसकी पत्नी और बच्चे भारत में बसे हैं, और वह तीन साल से हिरासत में है, लेकिन निर्वासन की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई।

याचिकाकर्ता ने बताया कि वह 2009 में श्रीलंकाई युद्ध में रुद्रपुरम के सदस्य के रूप में लड़ा था, इसलिए श्रीलंका में उसे ब्लैक-गजटेड (वांटेड) घोषित किया गया है। अगर उसे वापस भेजा गया, तो उसे गिरफ्तारी और यातना का सामना करना पड़ सकता है। उसने यह भी कहा कि उसकी पत्नी कई बीमारियों से पीड़ित है और उसका बेटा जन्मजात हृदय रोग से जूझ रहा है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने रोहिंग्या शरणार्थियों के डिपोर्टेशन में भी हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था।

कोर्ट रूम LIVE

सुप्रीम कोर्ट: क्या भारत को दुनिया भर के शरणार्थियों को रखना चाहिए? हमारे पास 140 करोड़ लोग हैं, यह कोई धर्मशाला नहीं है कि हम हर विदेशी को जगह दें।

याचिकाकर्ता: संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा) और अनुच्छेद 19 (मौलिक अधिकार, जैसे बोलने और घूमने की आजादी) के तहत दलील दी।

जस्टिस दत्ता, उसकी हिरासत अनुच्छेद 21 का उल्लंघन नहीं करती, क्योंकि उसे कानून के तहत हिरासत में लिया गया। कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 19 केवल भारतीय नागरिकों के लिए है।

सुप्रीम कोर्ट: आपका यहां बसने का क्या अधिकार है? जब वकील ने कहा कि वह शरणार्थी है और श्रीलंका में उसकी जान को खतरा है, तो कोर्ट ने सुझाव दिया कि वह किसी और देश में जाए।

◆ ब्रीफ बॉक्स

विवादित टिप्पणी: सुप्रीम कोर्ट में विजय शाह की याचिका पर सुनवाई आज

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी मामले में मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह की याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा। विजय शाह ने याचिका में कर्नल सोफिया कुरैशी को निशाना बनाकर की गई कथित टिप्पणी के लिए उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी है। उच्चतम न्यायालय की 19 मई की वाद सूची के अनुसार, याचिका पर सुनवाई न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ के समक्ष होगी। पीठ ने 16 मई को भाजपा नेता शाह की याचिका पर सोमवार को सुनवाई तय की थी।

सीएम स्टालिन ने गैर-भाजपा शासित 8 मुख्यमंत्रियों को लिखी चिट्ठी

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, केरल, झारखंड, पंजाब और जम्मू-कश्मीर के 8 राज्यों के मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी लिखी। इसमें उन्होंने राष्ट्रपति के सुप्रीम कोर्ट से मांगे गए संदर्भ का विरोध करने की अपील की है। सीएम एमके स्टालिन ने लिखा- मैं गैर-भाजपा शासित सभी राज्यों से अपील करता हूं कि राष्ट्रपति द्वारा सुप्रीम कोर्ट में भेजे गए संदर्भ का विरोध करें।

पाकिस्तान में लश्कर आतंकी सैफुल्लाह मारा गया, अज्ञात लोगों ने गोली मारी

लाहौर, एजेंसी। लश्कर-ए-तैयबा और जमात का आतंकवादी रजुल्लाह निजामनी उर्फ अबू सैफुल्लाह मारा गया है। सैफुल्लाह को पाकिस्तान के सिंध में मतली फलकारा चौक के पास अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। हालांकि उसे गोली कब मारी गई, इसकी जानकारी अभी नहीं है। सैफुल्लाह नेपाल में लश्कर के मॉड्यूल पर काम कर रहा था। वह नेपाल में विनोद कुमार के नाम से काम करता था। उसने नेपाली महिला नगमा बानू से शादी की थी। सैफुल्लाह भारत में आतंकियों की घुसपैठ और आर्थिक मदद जुटाने जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम दे रहा था।

संजय राउत बोले- इंडिया गठबंधन को बहिष्कार करना चाहिए था

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने रविवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल दलों को आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिबद्धता दर्शाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न देशों में भेजे जा रहे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का बहिष्कार करना चाहिए था। यह कदम ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में उठाया गया है। राउत ने आरोप लगाया कि यह प्रतिनिधिमंडल सरकार द्वारा किए गए पापों और अपराधों का बचाव करेगा।

अमित शाह का पाकिस्तान को दो टूक संदेश

आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते

अहमदाबाद, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को अहमदाबाद में अहमदाबाद नगर निगम की विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य बल की कार्रवाई की प्रशंसा की। साथ ही पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। यदि उसने आतंकवाद नहीं रोका तो सिंधु नदी से एक बूंद पानी नहीं मिलेगा। हमने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। उसके एयरबेस तबाह कर दिए।

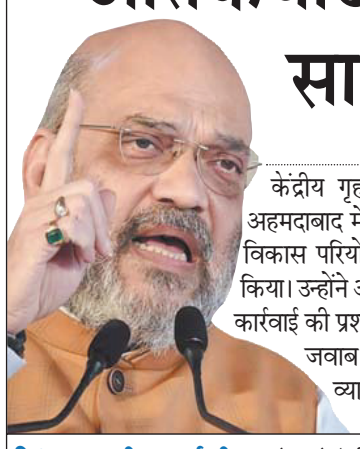

तिरंगा यात्रा की अगुवाई की... इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को सेनाओं के सम्मान में गुजरात के अहमदाबाद में तिरंगा यात्रा की अगुवाई की। इस दौरान उमड़ी भीड़ के बीच अमित शाह राष्ट्र ध्वज थामे जुलूस के आगे चलते दिखे। गृह मंत्री तिरंगा थामे हुए नल सरोवर चौकड़ी से एकलिंगजी रोड पर महाराणा प्रताप चौक तक पैदल चले। यहां उन्होंने 16वीं सदी के महान योद्धा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। पैदल मार्च में हिस्सा लेने वालों में गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी, स्थानीय विधायक, भाजपा नेता और कार्यकर्ता तथा यहां के शिक्षक और प्राथमिक एवं माध्यमिक विभागों के पदाधिकारी शामिल थे।

सशस्त्र बलों के साहस को सलाम... गुजरात भाजपा ने कहा कि यात्रा में साणंद और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग, सामाजिक और राजनीतिक नेता तिरंगा यात्रा में शामिल हुए और भारत माता की जय के नारे लगाए तथा सशस्त्र बलों के साहस और वीरता को सलाम किया।

एक-एक बूंद के लिए तरस जाएगा पाकिस्तान... अमित शाह ने कहा कि जब पीएम मोदी ने देश को संबोधित किया तो उन्होंने साफ कर दिया था कि खून और पानी एक साथ नहीं बहेगा। पड़ोसी देश को चेतावनी देते हुए शाह ने कहा कि आतंक का कारोबार रोकने तक वह सिंधु के पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस जाएगा। आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। यदि आप आतंकवाद को पनाह देना चाहते हैं तो तमाम कारोबार खत्म कर दीजिए। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कहा था कि अगर पाकिस्तान के साथ बात होगी तो वह पीओके को वापस लेने और आतंकवाद को खत्म करने को लेकर ही होगी।

सीजेआई ने दिया संविधान के सम्मान पर जोर, कहा-

सभी स्तंभों को मिलकर काम करने की जरूरत

मुंबई, एजेंसी

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने संविधान के सम्मान पर जोर दिया। बार काउंसिल महाराष्ट्र और गोवा की ओर से आयोजित अभिनंदन समारोह और अधिवक्ता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि न तो न्यायपालिका और न ही कार्यपालिका, बल्कि भारत का संविधान सर्वोच्च है और इसके स्तंभों को मिलकर काम करना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि मुझे खुशी है कि देश न केवल मजबूत हुआ है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक मोर्चों पर भी विकसित हुआ है और ऐसा करना जारी है। भारत का संविधान सर्वोच्च है और तीनों अंगों को संविधान के अनुसार काम करना है।

देश का बुनियादी ढांचा मजबूत है... उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश का बुनियादी ढांचा मजबूत है और संविधान के तीनों स्तंभ समान हैं। संविधान के सभी अंगों को एक-दूसरे के प्रति उचित सम्मान प्रदर्शित करना चाहिए। कार्यक्रम में न्यायमूर्ति द्वारा सुनाए गए 50 उल्लेखनीय निर्णयों पर आधारित एक पुस्तक का विमोचन किया गया।

बाबा साहेब आंबेडकर को अर्पित की श्रद्धांजलि... सीजेआई बीआर गवई ने मुंबई में चैत्यभूमि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर स्मारक का दौरा किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि प्रधान न्यायाधीश बनने के बाद आज मेरी पहली महाराष्ट्र यात्रा है और आज मैं चैत्यभूमि में बाबा साहेब के स्मारक पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने आया हूं।

'मुख्यमंत्री पद की कोई वैकेंसी नहीं, नीतीश ही करेंगे बिहार का नेतृत्व'

दरभंगा, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने स्पष्ट किया है कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए एनडीए की ओर से नीतीश कुमार ही नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री पद की कोई वैकेंसी नहीं है। चिराग पासवान दरभंगा के एक निजी अस्पताल के उद्घाटन समारोह में शामिल होने पहुंचे थे, जहां कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

'आईएसआई के बुलावे पर पाकिस्तान गए थे गोगोई, हमारे पास सारे सबूत'

गुवाहाटी, एजेंसी

असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने एक बार फिर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि गौरव गोगोई आईएसआई के बुलावे पर पाकिस्तान गए थे। उन्होंने पाकिस्तान की संस्था के साथ मिलकर काम किया। हमारे पास सारे सबूत हैं। हम 10 सितंबर तक हर सबूत पेश करेंगे। सरमा ने कहा कि गौरव गोगोई आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे।

सोलापुर की टेक्सटाइल फैक्ट्री में लगी आग, 8 लोगों की मौत

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में रविवार तड़के एक फैक्ट्री में लगी भीषण आग में आठ लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन महिलाएं और एक डेढ़ साल का बच्चा शामिल हैं। यह हादसा सोलापुर एमआईडीसी स्थित सेंट्रल टेक्सटाइल मिल्स में सुबह करीब 3:45 बजे हुआ।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। मृतकों में फैक्ट्री के मालिक हाजी उस्मान हसनभाई

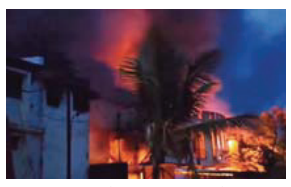

मंसूरी, उनके परिवार के तीन सदस्य, जिनमें उनका डेढ़ वर्षीय पोता भी शामिल है। अग्निकांड में मरने वालों में चार श्रमिक शामिल हैं। एक अधिकारी ने बताया कि आग इतनी भीषण थी कि उसे काबू में करने में दमकल विभाग को करीब पांच से छह घंटे लग गए।

हैदराबाद में भीषण आग, 17 लोगों की मौत

चारमीनार के पास बिल्डिंग में लगी आग, मृतकों में 8 बच्चे भी थे शामिल

हैदराबाद, एजेंसी

तेलंगाना में ऐतिहासिक चारमीनार के पास गुलजार हाउस की एक इमारत में रविवार को भीषण आग लग गई। हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में आठ मासूम बच्चे भी शामिल हैं। यहां एक निजी अस्पताल के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 17 लोगों को मृत अवस्था में लाया गया था। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घटना पर दुख व्यक्त किया।

अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक, उन्हें सुबह करीब 6.30 बजे एक फोन आया। इसके बाद वे घटनास्थल पर पहुंचे। इस दौरान कई लोग बेहोश पाए गए। उन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

पीएम मोदी ने किया मुआवजे का एलान... प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताया है। पीएमओ के मुताबिक, पीएम मोदी ने कहा कि तेलंगाना के हैदराबाद में आग लगने की घटना में हुई जानमाल की हानि से गहरा दुख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

13 साल की रेप विक्टिम ने बच्ची को जन्म दिया

राजकोट, एजेंसी

राजकोट में रविवार को दुष्कर्म पीड़ित 13 वर्षीय मासूम ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। खेलने-कूदने की उम्र में मां बनी इस बच्ची के साथ उसके ही चचेरे भाई और उसके दोस्त ने दुष्कर्म किया था। बच्ची को 33 हफ्ते का गर्भ था। 12 मई को गुजरात हाईकोर्ट ने अबॉर्शन की इजाजत दी थी।

मप्र में जारी रहा आंधी-बारिश का दौर, कई जिलों का पारा 43 डिग्री पहुंचा पार

मप्र/ भोपाल।

अलग-अलग स्थानों पर बनी चार मौसम प्रणालियों के असर से हवा के साथ नमी आने का सिलसिला बना हुआ है। रविवार को भी कई जिलों में आंधी-बारिश का दौर जारी है। विदिशा और राजगढ़ जिले के में दोपहर बाद तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। राजधानी भोपाल में बादल छाए। वहीं कई जिलों में गर्मी का असर रहा। ग्वालियर, गुना और खजुराहो का तापमान 43 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया गया। मौसम विभाग का कहना है कि एमपी में अगले 4 दिन 21 मई तक दिन में लू चलेगी, जबकि रातें भी गर्म रहेंगी। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर समेत प्रदेश के अधिकांश हिस्से में तेज आंधी और बारिश का दौर भी रह सकता है।

प्रदेश में 43 डिग्री के पार तापमान

प्रदेश के कई जिलों में गर्मी का असर भी दिखाई दे रहा है। अगले 4 दिन यानी, 21 मई तक दिन में लू चलने का अलर्ट है। ग्वालियर, गुना, खजुराहो, सीधी, शिवपुरी और टीकमगढ़ में पारा 43 डिग्री या इससे अधिक रहा। मौसम विभाग के अनुसार, खजुराहो में 43.8 डिग्री, ग्वालियर-गुना में 43.7 डिग्री, सीधी में 43.4 डिग्री, शिवपुरी-टीकमगढ़ में पारा 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सतना, रीवा, दमोह, उमरिया, सागर, रायसेन, रतलाम, खंडवा में पारा 40 डिग्री से अधिक रहा। बड़े शहरों की बात करें तो इंदौर में 37.4 डिग्री, भोपाल में 39.1 डिग्री, उज्जैन में 39 डिग्री और जबलपुर में 39.9 डिग्री सेल्सियस रहा।

मध्य प्रदेश में इसलिए बदला मौसम... मौसम विभाग की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम इन दिनों एक्टिव है। इनका असर मध्यप्रदेश में भी देखने को मिल रहा है। इस कारण आंधी और बारिश हो रही है। अब गर्मी का असर भी देखने को मिल रहा है। अगले चार दिन तक आंधी, बारिश के साथ लू का भी अलर्ट है।

प्रदेश में अगले 3 दिन ऐसा रहेगा मौसम

19 मई: ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, श्योपुर, शिवपुरी, गुना,अशोकनगर, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में लू का अलर्ट है। भोपाल, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बैतूल, नर्मदापुरम, रायसेन, विदिशा, हरदा, सीहोर, बुरहानपुर, खंडवा, देवास, राजगढ़, आगर-मालवा, इंदौर, उज्जैन, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, रतलाम में तेज आंधी और बारिश का अलर्ट है।

20 मई: निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, शिवपुरी, गुना और अशोकनगर में लू का अलर्ट है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, धार, खरगोन, राजगढ़, शाजापुर, देवास, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, सीहोर, बैतूल, नर्मदापुरम, रायसेन, विदिशा, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में बारिश हो सकती है।

21 मई: भोपाल, इंदौर, उज्जैन, सागर, रीवा, शहडोल, जबलपुर नर्मदापुरम, ग्वालियर संभाग में बारिश और आंधी का अलर्ट है। शिवपुरी, अशोकनगर, श्योपुर, गुना, आगर-मालवा, मंदसौर और नीमच में मौसम साफ रह सकता है।

चिंतन

हनक दिखा रहे बांग्लादेश को सबक सिखाना जरूरी

रणनीति

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

बांग्लादेश में जब तक शेख हसीना की सरकार थी, सब कुछ बेहतर चल रहा था। भारत-बंग्लादेश के संबंध शिखर पर थे। अगस्त 2024 में विद्रोह के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। उन्होंने भारत में शरण ली। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार बनाई गई और मोहम्मद यूनुस उसके मुखिया बने। उसके बाद बांग्लादेश की एंटी-इंडिया गतिविधियां बढ़ती गईं। कई बांग्लादेशी नेताओं ने भारत विरोधी बयान दिए और बांग्लादेश में रहने वाले हिंदू नेताओं को निशाना बनाया। इस वजह से दोनों देशों की तल्खी और ज्यादा बढ़ गई, इसके बाद भारत के ही रहमोकरम में अस्तित्व में आए बांग्लादेश ने चीन और पाकिस्तान के साथ नजदीकियां बढ़ानी शुरू कर दी। वहां की नई अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने हाल ही में चीन दौरे के दौरान उत्तर-पूर्व भारत को 'लैंडलॉक्ड' बताते हुए बांग्लादेश को समुद्र का एकमात्र संरक्षक बता दिया। यूनुस की चीन दौरे पर यह टिप्पणी एक तरह भारत द्वारा क्षेत्र की संपर्क क्षमता को कमतर आंकने के रूप में देखी गई। बात केवल यही तक खत्म नहीं हुई। सर्वविदित है कि भारत के शेष हिस्से से पूर्वोत्तर तक सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) के जरिए पहुंचा जा सकता है, जो सिर्फ 20 किमी. चौड़ा है। यह संकरा कॉरिडोर भारत के लिए रणनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण से हमेशा कमजोर कड़ी है, इसीलिए पिछले डेढ़ दशक में भारत-बांग्लादेश साझेदारी के तहत वैकल्पिक मार्गों की तलाश की गई थी, लेकिन नई बांग्लादेश सरकार के भारत विरोधी रुख के कारण यह योजना अब ठंडे बस्ते में जाती दिख रही है। बांग्लादेश ने 2024 के अंत से भारत से होने वाले व्यापार पर कई प्रतिबंध भी लागू कर दिए। इसके तहत प्रमुख लैंड पोर्ट से भारतीय यार्न के आयात पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई। चावल के निर्यात पर भी कड़े नियंत्रण लगाए गए। इसी तरह कागज, तंबाकू, मछली, और दूध पाउडर जैसे उत्पादों के आयात पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया। बांग्लादेश ने भारतीय मूल के अपने क्षेत्र से गुजरने पर अब प्रति टन प्रति किलोमीटर 1.8 टका का ट्रांजिट शुल्क भी लागू कर दिया है, जिसके चलते सामान की पूर्वोत्तर राज्यों तक पहुंच महंगी हो गई है। अब बारी भारत की थी। भारत ने सौ सुनार की और एक लोहार की रणनीति पर चलते हुए एक के बाद एक दो बड़े फैसले लिए हैं, जिससे अर्थिक रूप से बेहाल बांग्लादेश की कमर टूटनी तय है। भारत ने बांग्लादेश से होने वाले आयात पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड ने इसकी घोषणा की। भारत ने बांग्लादेश से कई उपभोक्ता सामानों के आयात पर लैंड बॉर्डर के माध्यम से रोक लगा दी है। इनमें शर्ट, पैंट, टी-शर्ट जैसे रेडिमेड गारमेंट्स, बिस्किट, चिप्स, कन्फेक्शनरी, स्नैक्स प्रोसेस्ड फूड आइटम, कार्बोनेटेड और एनर्जी ड्रिंक्स, बाल्टी, खिलौने, कुर्सियां जैसे प्लास्टिक उत्पाद कॉटन वेस्ट और इंडस्ट्रियल ग्रेड कॉटन बाय प्रोडक्ट, सोफा, बेड जैसे लकड़ी के फर्नीचर समेत अनेक चीजें शामिल हैं। ये प्रतिबंध बांग्लादेश की पहले से कमजोर अर्थव्यवस्था को और ज्यादा कमजोर कर सकते हैं। राजनीतिक अस्थिरता, बढ़ती महंगाई लगभग 10-10.2 फीसदी, और कमजोर घरेलू मांग के कारण, वित्त वर्ष 2025 के लिए जीडीपी ग्रोथ रेट 3.8-4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जो बांग्लादेश के लिए बड़ा झटका होगा।

पाकिस्तान को आर्थिक रूप से पस्त करने और भारत को आर्थिक रूप से तेजी से आगे बढ़ाने के रणनीतिक प्रयत्नों के साथ यह भी जरूरी है कि पाक को खुले रूप से समर्थन दे रहे तुर्किए, अजरबेजान, बांग्लादेश और चीन के उत्पादों के बहिष्कार की रणनीति पर आगे बढ़ा जाए। चीन से आयात नियंत्रण के लिए सरकारी प्रयासों के साथ देश के उपभोक्ताओं के द्वारा भी स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। हम उम्मीद करें कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत मुंहतोड़ जवाब देने के बाद अब भारत पाकिस्तान को आर्थिक दबाव और आर्थिक प्रतिबंधों से भी पस्त करते हुए दिखाई देगा।

आर्थिक दबाव से पस्त होगा पाक

यकीनन इस समय भारत के द्वारा पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर से पस्त पाकिस्तान को आर्थिक दबाव और आर्थिक प्रतिबंधों से पस्त करने की रणनीति आगे बढ़ाई जा रही है। हाल ही के दिनों में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ओर से पाकिस्तान को दिए जाने वाले नए कर्ज पर भारत के द्वारा एतराज जताने पर 18 मई को आईएमएफ ने पाकिस्तान के बेलआउट कार्यक्रम की निगरानी को और सख्त करते हुए अगली किश्त जारी करने से पहले 11 नई कड़ी शर्तें जोड़ दी हैं। पाक पर आर्थिक दबाव बनाने का भारत का प्रयास रंग लाया है।

उल्लेखनीय है कि भारत पाकिस्तान पर आर्थिक दबाव की रणनीति के साथ पाकिस्तान पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के कठोरतापूर्वक परिपालन की डगर पर भी आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। इन दिनों जब पाकिस्तान बार-बार भारत से सिंधु जल संधि को स्थगित करने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह कर रहा है, तब पूरी दुनिया में हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा राष्ट्र के नाम दिए गए संबोधन का यह वाक्य गुंजित हो रहा है कि पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते हैं। संदेश साफ है कि अब भारत इस पर कोई समझौता नहीं करेगा। साथ ही अब भारत के द्वारा पाकिस्तान पर लगाए गए दमदार आर्थिक प्रतिबंधों से भी पाकिस्तान को पूरी तरह से पस्त करने की डगर महत्वपूर्ण हो गई है। चूंकि तनाव के इस दौर में चीन, तुर्किए और अजरबैजान न केवल पाकिस्तान के साथ खुलकर खड़े रहे, बल्कि इन देशों ने पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति भी की, अतएव भारत इन देशों के सामानों के बहिष्कार और चीन से बढ़ते व्यापार घाटे को रोकने के लिए आयातों को नियंत्रित करने की नई रणनीति के साथ भी आगे बढ़ता दिखाई दे रहा है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में विश्व बैंक के प्रमुख अजय बंगा ने कहा कि सिंधु जल संधि में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान की भूमिका सिर्फ मध्यस्थ की है और वह भारत की ओर से संधि के निलंबन पर कोई दखल नहीं देगा। ज्ञातव्य है कि भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद संधि निलंबित की है। 6 मई को प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा कि पहले भारत के हक का पानी भी भारत से बाहर जा रहा था। अब भारत का पानी भारत के हक में बहेगा। मोदी का यह वक्तव्य ऐसे समय आया है जब भारत ने आतंकी हमले के जवाब में 1960 में हस्ताक्षरित सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया है। इससे पाकिस्तान की आर्थिकी पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। गौरतलब है कि सिंधु जल संधि के तहत करीब 80 फीसदी पानी पाकिस्तान को मिलता रहा है। यह बात भी ध्यान देने लायक है कि सिंधु जल संधि को 1965, 1971 और 1999 में पाकिस्तान के साथ युद्ध के समय भी स्थगित नहीं किया गया था। भारत के द्वारा सिंधु जल संधि का स्थगन इसलिए अहम है, क्योंकि पाकिस्तान का एक बड़ा हिस्सा सिंधु नदी के पानी पर पेयजल और खेती से बिजली उत्पादन तक की गतिविधियों के लिए निर्भर है। एक अनुमान के मुताबिक पाकिस्तान के जीडीपी का करीब 25 फीसदी सिंधु जल व्यवस्था पर निर्भर है। इस स्थगन से पाकिस्तान की

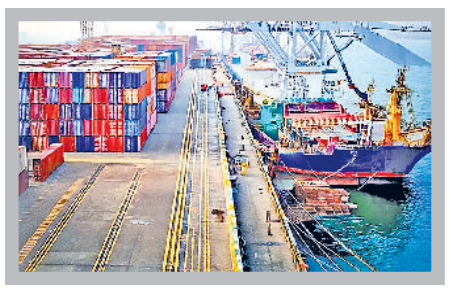

बौखलाहट साफ दिखाई दे रही है। इतना ही नहीं सिंधु जल संधि निलंबित किए जाने के बाद भारत ने चिनाब नदी पर बगलिहार बैराज से पानी के प्रवाह को रोक दिया है। झेलम नदी पर बने किशनगंगा बांध से ऐसे कदम उठाने की रणनीति बनाई जा रही है।

उल्लेखनीय है कि विगत 3 मई को भारत ने पाकिस्तान के साथ सभी प्रकार के कारोबार पर पूरी तरह रोक लगा दी है। पाकिस्तान में तैयार या वहां से निर्यात किए जाने वाले सभी सामानों के आयात और पाक को सभी प्रकार के निर्यात पर रोक लगा दी गई है। यहीं नहीं जहां पाकिस्तान का झंडा लगे जहाजों को किसी भी भारतीय बंदरगाह पर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी, वहीं भारतीय ध्वज वाले जहाज पाकिस्तान के किसी भी बंदरगाह पर नहीं जाएंगे। सरकार ने पाकिस्तान से आने वाली सभी प्रकार की डाक और पार्सल सेवाओं के आदान-प्रदान को तुरंत प्रभाव से निलंबित करने का भी निर्णय लिया है। यह निर्णय हवाई और जमीनी दोनों मार्गों पर लागू हुआ है। यह निर्णय पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित करता दिखाई देगा, क्योंकि भारत से आयातित कई वस्तुओं का परिवहन डाक सेवाओं के जरिए भी किया जाता है। भारत ने अटारी लैंड-ट्रांजिट पोस्ट को भी तत्काल बंद कर दिया है। यदि हम भारत और पाकिस्तान के कारोबार को देखें तो पाते हैं कि अप्रैल 2024 से जनवरी 2025 के बीच भारत ने पाकिस्तान को करीब 447.65 मिलियन डॉलर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात किया और भारत ने इस दौरान पाक से मात्र 0.42 मिलियन डॉलर मूल्य की वस्तुओं का आयात किया। इन आंकड़ों का विश्लेषण बताता है कि पाक को भारत के निर्यात रुकने से पाकिस्तान की घरेलू अर्थव्यवस्था मुश्किल में होगी और महंगाई बढ़ेगी। वहीं भारत में पाक से आयात रुकने पर भारत के बाजार और महंगाई पर कोई असर नहीं होगा। यह छोटी बात नहीं है कि दुनिया के उभरते हुए देशों की तुलना में भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेजी से आगे बढ़ रही है। माह अप्रैल 2025 में जीएसटी का संग्रह 2.09 लाख करोड़ रुपये स्तर पर पहुंच गया, जो किसी महीने अभी तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड राजस्व है। पिछले वर्ष 2024-25 में जीएसटी और इनकम टैक्स संग्रहण रिकॉर्ड ऊंचाई पर रहा है। हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आईएमएफ को दिए एक डॉक्यूमेंट में कहा है कि भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था मजबूत बनाई जा रही है और सरकारी ऋण के बेहतर प्रबंधन से भारत का राजकोषीय घाटा भी नियंत्रित है। आईएमएफ और विश्व बैंक का मानना है कि भारत चुनौतियों के बीच संभावनाओं वाला देश है और वैश्विक व्यापार को बढ़ाने वाला इंजन बन सकता है। निःसंदेह भारत दमदार आर्थिकी तैयार करते हुए आगे बढ़ रहा है। सरकार द्वारा घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए कुछ और बातों पर ध्यान दिया जाना लाभप्रद होगा। भारत में आत्म निर्भरता की नीति और वोकल फॉर लोकल मंत्र को बढ़ाना होगा। इससे स्थानीय और घरेलू बाजार तेजी से आगे बढ़ेंगे। जीएसटी में सरलता, निवेश के लिए अधिक अनुकूल माहौल, कुशल बुनियादी संरचना, लॉजिस्टिक लागत में कमी, व्यवसाय करने की प्रक्रिया की सरलता जैसे रणनीतिक कदमों से भारत के घरेलू बाजार की चमक बढ़ाई जा सकेगी।

पाकिस्तान को आर्थिक रूप से पस्त करने और भारत को आर्थिक रूप से तेजी से आगे बढ़ाने के रणनीतिक प्रयत्नों के साथ यह भी जरूरी है कि पाक को खुले रूप से समर्थन दे रहे तुर्किए, अजरबेजान, बांग्लादेश और चीन के उत्पादों के बहिष्कार की रणनीति पर आगे बढ़ा जाए। चीन से आयात नियंत्रण के लिए सरकारी प्रयासों के साथ देश के उपभोक्ताओं के द्वारा भी स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। हम उम्मीद करें कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत मुंहतोड़ जवाब देने के बाद अब भारत पाकिस्तान को आर्थिक दबाव और आर्थिक प्रतिबंधों से भी पस्त करते हुए दिखाई देगा।

(लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

300 करोड़ रुपये की लागत से अलवर में तैयार होगा 5 लाख लीटर क्षमता का नवीन दूध संयंत्र केंद्रीय पर्यावरण मंत्री

अलवर में श्वेत क्रांति द्वितीय चरण एवं अलवर दुग्ध संघ दिवस कार्यक्रम डेयरी संघों से पशुपालकों के सामर्थ्य को मिली नई पहचान

सहकार से आत्मनिर्भरता, आजीविका और विकास को मिली गति

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

लगभग 23 करोड़ रुपये की सिलीसेढ़ पेयजल परियोजना का शिलान्यास

राज्य और केंद्र की सरकार किसान-पशुपालकों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध

मरुधर विशेष

अलवर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि दुग्ध संघ पशुपालकों के सामर्थ्य के प्रतीक के रूप में उभर रहे हैं। छोटे पशुपालकों की ये संस्थाएं जिस बड़े पैमाने पर संगठित होकर काम कर रही हैं, वह 'सहकार ही शक्ति है' को धरातल पर सफलता से क्रियान्वित कर रही हैं। इन संघों ने विकास, जनभागीदारी और आत्मनिर्भरता के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की डेयरी क्षेत्र में सक्रियता प्रमुखता से बढ़ी है, जिससे उनका आर्थिक सशक्तिकरण हो रहा है।

शर्मा सोमवार को अलवर में श्वेत क्रांति द्वितीय चरण एवं अलवर दुग्ध संघ दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सिलीसेढ़ क्षेत्र से नलकूप व पाइपलाइन के माध्यम से अलवर शहर की पेयजल योजना संवर्द्धन कार्य (लगभग 23.27 करोड़) का शिलान्यास किया और अलवर डेयरी के नवीन उत्पाद मावा तथा 15 किलो के पैक में टोन्ड मिल्क के दही की लॉन्चिंग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पशुपालकों और किसानों की मेहनत का उत्सव है। अलवर के गांवों ने 50 से अधिक साल पहले जो पौधा अलवर दुग्ध संघ के रूप में लगाया था, आज वह एक वटवृक्ष बन गया है। जब इस दुग्ध संघ की स्थापना हुई थी, तब यह 500 लीटर दूध का संकलन करता था, जो कि वर्तमान में रोजाना औसतन डेढ़ लाख लीटर हो गया है। साथ ही यह संघ करीब 50 हजार लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करवा रहा है।

केंद्र और राज्य ने किसानों-पशुपालकों के कल्याण के लिए उठाए निर्णायक कदम

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार किसान-पशुपालकों के कल्याण और डेयरी क्षेत्र के उत्थान के लिए निर्णायक कदम उठा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की सम्मान निधि देने का काम किया है, जिसे हमने राजस्थान में बढ़ाकर 9 हजार रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में गेहूं के समर्थन मूल्य पर अतिरिक्त बोनस दिया जा रहा है और आज यह देश में सर्वाधिक है।

सेना ने दिखाया अदम्य साहस, आतंकी ठिकानों को किया तबाह

मुख्यमंत्री ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले से पूरे देश में रोष था। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतीय सेना ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए सीमापार आतंकी ठिकानों को तबाह किया। हमारी सेना हर दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देती है।शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश विश्व की चौथी आर्थिक शक्ति बन गया है और जल्द ही तीसरी आर्थिक शक्ति भी बनेगा। राजस्थान की अर्थव्यवस्था भी वर्ष 2030 तक 350 बिलियन डॉलर होगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने अलवर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड, राजस्थान को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड, नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड एवं राजीविका की ओर से लगाई गई स्टॉल्स का अवलोकन किया एवं 'बहरोड़ बनेगा बेहतर' पुस्तिका का विमोचन किया।

बिजली-पानी की पर्याप्त आपूर्ति होगी सुनिश्चित

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर-कमलों से राजस्थान को राम जल सेतु लिंक परियोजना की सौगात मिली है। इस योजना के माध्यम से अलवर सहित पूर्वी राजस्थान को पेयजल और सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा। वहीं, शेखावाटी क्षेत्र के लिए यमुना जल समझौते और माही-देवास परियोजना के विकास का काम भी हाथ में लिया गया है। हमने इंदिरा गांधी नहर परियोजना के लिए 3400 करोड़ रुपये भी दिए हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी किसानों को 2027 तक दिन में ही बिजली देने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में लगभग 60 हजार से अधिक किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध भी करवाई जा रही है। साथ ही, हम फीडर सुधार योजना पर भी प्रमुखता से कार्य कर रहे हैं।

30 हजार करोड़ रुपये के ऋण वितरित

शर्मा ने कहा कि लगभग 47 लाख किसानों को करीब 30 हजार करोड़ रुपये के अल्पकालीन ब्याज मुक्त फसली ऋण का वितरण किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पशुओं के लिए टोल फ्री मोबाइल वेटनरी सेवा नंबर 1962 और मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना प्रारंभ की गई है। साथ ही, राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना लागू की गई है, जिसके तहत 37 हजार से अधिक गोपालकों को ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा चुका है।

17 महीनों के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लखपति दीदी योजना के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों में नौनिहालों को सप्ताह में 5 दिन दूध उपलब्ध करवाया जा रहा है, जिससे उन्हें उचित पोषण मिलेगा। राज्य सरकार किसानों के बेटों के रोजगार के सपनों को पूरा करने के लिए पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। हमारे 17 महीनों के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है, वहीं पूर्ववर्ती सरकार के समय हुए पेपर लीक में लिप्त लगभग 300 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

मुख्यमंत्री ने किया महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मोती डूंगरी स्थित पार्क में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण किया। लगभग 50 लाख रुपये की लागत से बनी यह प्रतिमा पंचधातु से निर्मित है। इसकी ऊंचाई साढ़े 12 फीट और वजन 2200 किलोग्राम है। मुख्यमंत्री ने यहां मौलश्री पौधे का रोपण भी किया। इस दौरान सर्व समाज द्वारा श्री शर्मा का साफा पहनाकर एवं राजपूत समाज द्वारा तलवार भेंट कर अभिनंदन किया गया।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का संबोधन

केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डेयरी को बढ़ावा देने के लिए चार आयाम दिए हैं– महिला सशक्तिकरण, स्थानीय दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा, डेयरी की बुनियादी ताकत को मजबूत करना और निर्यात को बढ़ाना। उन्होंने मुख्यमंत्री का 23.26 करोड़ रुपये की सिलीसेढ़ पेयजल योजना का शिलान्यास करने और अलवर डेयरी के लिए 125 करोड़ रुपये का बजट आवंटित करने पर आभार जताया। मंत्री यादव ने बताया कि एनडीडीबी 5% सब्सिडी ग्रांट पर 175 करोड़ रुपये प्रदान करेगी, जिससे 5 लाख लीटर क्षमता वाला दूध संयंत्र स्थापित होगा। साथ ही 1000 क्विंटल गुणवत्ता युक्त चारे के बीजों का उत्पादन कर किसानों को निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। एनडीडीबी 1000 किसानों को उन्नत पशुपालन तकनीक का प्रशिक्षण भी देगी। श्वेत क्रांति द्वितीय चरण में 700 नई सहकारी डेयरियां स्थापित होंगी। उन्होंने बताया कि दुग्ध उत्पादन के लिए कृत्रिम गर्भाधान 15% बढ़ाया जाएगा और सेक्स सॉर्टेड सीमेन को 50% तक लाने का लक्ष्य है। एनडीडीबी 200 मेट्रिक टन सरसों तेल संयंत्र तथा 'धारा' ब्रांड की पैकिंग क्षमता को 70 हजार से बढ़ाकर 1.5 लाख मेट्रिक टन करेगी। अलवर से 60 हजार मेट्रिक टन सरसों बीज, 3 हजार मेट्रिक टन फल-सब्जियां और चमड़े से संबंधित उत्पादों की वेल्यू चेन तैयार की जाएगी। सखी डेयरी योजना के माध्यम से 3000 घरों में 2 घन मीटर की घरेलू बायोगैस संयंत्र और मिट्टी की पॉटरी प्रशिक्षण भी संचालित होंगे।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पूर्वी राजस्थान के लिए संशोधित पीकेसी-ईआरसीपी राम जल सेतु परियोजना लाए हैं, जिस पर काम शुरू हो गया है। गोवर्धन योजना के अंतर्गत तीनों जिलों में एक-एक गोशाला में 50 लाख रुपये की सब्सिडी से संयंत्र स्थापित होंगे, और 500 गायों से उत्पन्न बछियाएं महिला किसानों को मुफ्त दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि अब देश आतंकवाद नहीं सहेगा, आतंकियों को उनके घर में घुसकर जवाब दिया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से हमारी सेनाओं ने आतंकियों को सख्त जवाब दिया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अब पाकिस्तान से केवल पीओके पर ही बात होगी।

मंच संचालन दीपक पंडित ने किया।

उपस्थित गणमान्य व्यक्ति जोराराम कुमावत, झाबर सिंह खर्रा, संजय शर्मा,जवाहर सिंह बेढम, जसवंत यादव, महंत बालकनाथ, रमेश खींची, सुखवंत सिंह, देवी सिंह शेखावत,अजय पाल लांबा, डॉ. आर्तिका शुक्ला, बीजेपी नेत्री डॉक्टर अंजली यादव,संजीव नैन, अशोक गुप्ता, महासिंह चौधरी,हेम सिंह भड़ाना,रामहेत यादव,जयराम जाटव, बनवारीलाल सिंघल, मामन सिंह यादव,राजेंद्र गंडूरा,मंजीत चौधरी, पं. धर्मवीर शर्मा, बलवान सिंह यादव,रामकिशन मेघवाल,इंद्र यादव,लक्ष्मीनारायण शर्मा, हरिओम कटारा,पूजा कपिल सहित बड़ी संख्या में पशुपालक एवं किसान उपस्थित रहे।

ग्राम जरौधा में सुशासन तिहार 2025 के तहत विशेष शिविर संपन्न, 1020 आवेदनों का हुआ त्वरित निराकरण

मरुधर विशेष

करन सोनी एमसीबी। जिले के विकासखंड खड़गवां के ग्राम जरौधा में सुशासन तिहार 2025 के तीसरे चरण के अंतर्गत एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई, दीप प्रज्वलन के पश्चात जनप्रतिनिधियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल उपस्थित रहे। शिविर में शासन की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। सभी विभागों से प्राप्त कुल 1,207 आवेदनों में से 1,020 का त्वरित निराकरण किया गया, जबकि शेष 190 आवेदन प्रक्रियाधीन हैं। ग्रामीणों को बताया गया कि यह शिविर न केवल जानकारी देने का माध्यम है, बल्कि समस्याओं के तत्काल समाधान का भी एक मंच है। शिविर में सलका, फुनगा, मंगोरा, बेलकामार, कटकोना, सकड़ा एव जरौधा, के सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने-अपने विभाग से संबंधित चलाई जा रही योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं का क्रियान्वयन कैसे किया जा रहा है और आप इनका लाभ कैसे ले सकते हैं। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने विशेष रूप से सहभागिता की, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित किया गया जिसमें जनपद पंचायत द्वारा विमला, सुंदरकली, रामकली, ललिता कूरें, रीतू ,लीलावती, कमला यादव, सोनकुवर, बिमला, रेखा और संगीता सिंह को नवीन राशन कार्ड वितरित किए गए। इससे अब ये परिवार नियमित रूप से सरकारी खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ ले सकेंगे। वहीं, स्वास्थ्य विभाग द्वारा बाँबी, विमल कुमार, विश्व कुमार, राम कुंवर, अमर सिंह, जयमुनिया, रामकली, पवन सिंह, जयप्रताप सिंह और जिरसिया बाई को आयुष्मान भारत कार्ड प्रदान किए गए, जिसके माध्यम से वे अब निःशुल्क इलाज की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से मीरा बाई, बसंती, सावित्री, रामवती, संगीता और संतोषी को गोद भराई योजना का लाभ दिया गया। साथ ही आयुष कुमार, नित्या, सुमित, शिवानी एवं प्रार्थना को सुपोषण टोकरी वितरित की गई, जिससे उनके पोषण स्तर को बेहतर बनाया जा सकेगा। कार्यक्रम के दौरान आयांश, रितविक, सुहानी, रितेश कुमार, कमलेश और भूमिका का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया, जिसमें बच्चों को पहली बार अन्न ग्रहण कराया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि ग्राम पंचायत में आयोजित समाधान शिविर केवल जनसेवा के लिए है, न कि किसी राजनीतिक उद्देश्य के लिए। उन्होंने कहा,आप सब तेज धूप में इसलिए आए हैं क्योंकि आपको विश्वास है कि यहां आपकी समस्याओं का समाधान होगा। मंत्री जी ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय खुद बस्तर और सरगुजा जैसे दुर्गम क्षेत्रों में शिविरों में पहुँचकर आम जनता की समस्याएं सुन रहे हैं। उन्होंने इसे सुशासन की मिसाल बताया। मंत्री जी ने कहा कि सरकार ने जो वादे किए थे, उन्हें निभाया है। महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की 70 लाख माताओं को ?1,000 प्रतिमाह की सहायता दी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत सभी पात्र नागरिकों को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उन्हें ?5 लाख तक की निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा मिल सकेगी। मंत्री ने किसान राजेंद्र सिंह का उदाहरण देते हुए बताया कि उन्हें ?3.10 लाख की राशि प्राप्त हुई है। सरकार ने समर्थन मूल्य ?3,100 प्रति क्विंटल तय किया है, जिससे किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि धान की पैदावार में करीब 10-11 रुपये प्रति किलो का खर्च आता है, और एक एकड़ में अगर औसतन 15 क्विंटल उत्पादन होता है तो लगभग 1 लाख रुपये खर्च आता है। ऐसे में सरकार की योजना से किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। मंत्री जी ने जोर देकर कहा कि सरकार द्वारा दिए गए 10,000 रुपये प्रति वर्ष की सहायता ष्प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनाष् के तहत आती है, और यह धन किसानों की मेहनत की कमाई का सम्मान है। उन्होंने लोगों से अपील की कि इस पैसे का सदुपयोग करें दृ खेत की मेड़ बनवाने, ट्यूबवेल लगाने या उत्पादन बढ़ाने के लिए करें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई भूमिहीन किसान है, जिसके पास जमीन नहीं है लेकिन वह खेती करता है, तो ऐसे लोगों को भी चिन्हित कर ?10,000 की सहायता दी जाएगी। इसके लिए एक अभियान चलाया जाएगा, जैसा कि बलौदा बाजार में हुआ है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित करें कि सभी पात्र किसान 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' के तहत लाभ प्राप्त कर रहे हैं। यदि किसी का चयनष्ट नहीं हुआ है, तो अगले शिविर में उसे पूरा किया जाएगा। साथ ही चेतावनी भी दी कि यदि इसमें लापरवाही हुई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री जी ने अंत में कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ हर जरूरतमंद तक पहुँचना चाहिए, और इसमें ग्राम सेवकों और विस्तार अधिकारियों की भी जिम्मेदारी है कि वे लोगों को योजनाओं की जानकारी दें और उनका लाभ दिलाएं। मंत्री जी ने जनता को शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सौगात दी। मंच से घोषणा करते हुए उन्होंने बताया कि विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के लिए अतिरिक्त कक्ष निर्माण और जिर्णोद्धार की मांग शासन को भेजी गई थी, जिसे सरकार ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। अपने संबोधन में मंत्री जी ने कहा कि ग्राम सलका स्थित प्राइमरी स्कूल के जिर्णोद्धार के लिए ?7.95 लाख की स्वीकृति दी गई है। इसी तरह ग्राम पंचायत कटकोना में ?6.97 लाख की राशि से जिर्णोद्धार कार्य किया जाएगा। ग्राम पंचायत मरुम मंगोरा पटपरिया पारा के जिर्णोद्धार हेतु ?6.85 लाख तथा ग्राम पंचायत सकड़ा टकतेवा पारा की प्राथमिक शाला में ?6.50 लाख की स्वीकृति मिली है।बेलकामार मिडिल स्कूल के जिर्णोद्धार हेतु ?7.95 लाख की राशि स्वीकृत की गई है, वहीं ग्राम पंचायत कटकोना के अंतर्गत महोरा प्राथमिक शाला, पहाड़पारा के लिए ?5.50 लाख का प्रावधान किया गया है। साथ ही जरौधा की प्राथमिक शाला, चितापारा में एक अतिरिक्त कक्षा निर्माण के लिए ?10 लाख की राशि मंजूर की गई है। मंत्री जी ने पहाड़पारा तक सड़क मार्ग निर्माण हेतु भूमि पूजन की घोषणा की तथा सभी ग्रामवासियों को भूमि पूजन कार्यक्रम में आमंत्रित किया। इसके साथ ही धवलपुर से मेंड्रा के मध्य सड़क निर्माण कार्य को स्वीकृति प्रदान की गई है। मंत्री जी ने ग्रामवासियों को ग्राम सभा में जाने हेतु प्रेरित किया।ग्रामवासियों की पेयजल समस्या को देखते हुए मंत्री जी ने उनकी मांग पर तत्काल निर्णय लेते हुए 7 नए हैंडपंप स्वीकृत किए। कार्यक्रम के अंत में मंत्री जी ने ग्रामीणों के साथ श्ऑपरेशन सिंदूरश् के समर्थन में एक विशाल तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा का उद्देश्य राष्ट्र की अखंडता और सुरक्षा में समर्पित हमारे वीर सैनिकों के प्रति सम्मान और समर्थन प्रकट करना था।

शिविर मे एडीएम- अनिल सिदार,एसडीएम - विजयेंद्र सारथी, अध्यक्ष- श्याम बाई मरकाम, उपाध्यक्ष- विरेन सिंह करियाम,जनपद सदस्य- ममता सिंह, शिव रतन, रामवती,सरपंच- प्रदीप सिंह, प्रेम नारायण , फुल कुंवर, अशोक कुमार, जानकी, दुर्गावती, सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जीर्ण शीर्ण, कंडम उप स्वास्थ्य केन्द्रों के भवनों का होगा नवनिर्माण

कहा - आमजन को स्थानीय स्तर पर ही स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध करवाने के लिये सुविधाओं युक्त उप स्वास्थ्य केन्द्रों का करवाया जायेगा निर्माण

मरुधर विशेष

ध्वस्त करने की कार्यवाही शुरू, बीसीएमओ ने किया निरीक्षण

कोटपूतली(सीताराम गुप्ता) खण्ड कोटपूतली में जीर्ण शीर्ण, कंडम उप स्वास्थ्य केन्द्रों के भवनों का नवनिर्माण कर उनका कायाकल्प किया जा रहा है। जिसके लिये जीर्ण शीर्ण, कंडम उप स्वास्थ्य केन्द्रों को ध्वस्त करने की कार्यवाही शुरू की गई है। बीसीएमओ डॉ. पूरण चन्द गुर्जर ने ध्वस्त किये जा रहे भवनों का मौके पर पहुँचकर निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि उप स्वास्थ्य केन्द्र सरूण्ड, मोहनपुरा, गोर्वधनपुरा, पाथरेड़ी आदि के भवन जीर्ण शीर्ण, कंडम है। जिन्हें ध्वस्त करने की कार्यवाही शुरू की गई है। आमजन को स्थानीय स्तर पर ही स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध करवाने के लिये सुविधाओं युक्त उप स्वास्थ्य केन्द्र भवनों का निर्माण करवाया जायेगा। इस दौरान बीपीओ विजय तिवाड़ी भी मौजूद रहे।

आवश्यक निर्देश :- बीसीएमओ ने सोमवार को विभिन्न विभागीय कार्यक्रमों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। एनसीडी कार्यक्रम की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा कर कम प्रगति वाले स्वास्थ्य केन्द्रों को निर्देश देते हुये कहा कि एनसीडी के तहत मरीजों की नियमित स्क्रीनिंग कर रिपोर्टिंग एवं कार्य में प्रगति सुनिश्चित की जायें। साथ ही पीसीटीएस, एनीमिया मुक्त राजस्थान अभियान, नियमित टीकाकरण, यूविन एप समेत विभिन्न विभागीय कार्यक्रमों की समीक्षा कर कार्यो में प्रगति लाने एवं नियमित रूप से सभी कार्य सम्पादित किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मौसमी बीमारियों और हीटवेव को लेकर स्वास्थ्य विभाग सख्त है। इस दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जायें। कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। साथ ही स्वास्थ्य केन्द्रों पर गणवेश मय आईडी कार्ड के समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करें।

डोर टु डोर सर्वे जारी :- बीसीएमओ डॉ. पूरण चंद गुर्जर ने बताया कि हीटवेव, मौसमी बीमारियों को देखते हुये क्षेत्र में निरन्तर डोर टू डोर सर्वे जारी है। स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा आमजन को जागरूक किया जा रहा है। वहीं विभिन्न जगहों पर पक्षियों के लिये परिन्डे भी लगाये जा रहे है।

रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं रमेश सचदेवा

मरुधर विशेष ईश्वर महलावत

बावल भारत विकास परिषद, विवेकानंद शाखा और नेशनल मेडिकोस ऑर्गनाइजेशन के संयुक्त तत्वाधान में डॉ. आर.बी. यादव अस्पताल में आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कैंप में 40 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जो मरीजों के लिए जीवनदायिनी साबित होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रमेश सचदेवा जी ने रक्तदाताओं को सम्मानित किया और उनके इस नेक कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक पुण्य कार्य है और इससे कई जिंदगियों को बचाया जा सकता है। भारत विकास परिषद, विवेकानंद शाखा के पदाधिकारियों और सदस्यों ने इस आयोजन में बढ़-चढ़कर भाग लिया और रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। इस कैंप के आयोजन में नरेश कुमार, सुरेंद्र अरोड़ा, संजीव यादव, और अतुल बत्रा, प्रशांत गुप्ता, राजेश जैलदार, राजेश ठेकेदार, हरि मोहन यादव, अनुकूल शर्मा, अरुण गुप्ता, डॉ सुमन यादव, डॉ पी सी सिंगला, डॉ जितकेश,महिला संयोजिका नेहा शर्मा का विशेष योगदान रहा कैंप में डॉ. आर.बी. यादव, डॉ. सुपरीक्षित यादव, डॉ. श्रीमती नीरज यादव, सीए निधि गौतम, और डॉ. नवीन अदलखा का सानिध्य प्राप्त हुआ। इस ब्लड डोनेशन कैंप के माध्यम से समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने और मरीजों की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। भारत विकास परिषद, विवेकानंद शाखा और नेशनल मेडिकोस ऑर्गनाइजेशन भविष्य में भी इस तरह के सामाजिक कार्यों को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

तिजारा खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी तिजारा 5 दिवस से बिना सूचना अनुपस्थित,ग्रामीणों ने भ्रष्टाचार की शिकायतें की

मरुधर विशेष

तिजारा प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान एवं राइज ट्रेनिंग के सुपरविजन के लिए पहुंचे जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ हेमंत डागर उस वक्त अचंभित रह गए कि बार बार पांच दिवस से फोन लगाते रहने के बाद भी बीसीएमओ डॉ मनोज यादव फोन इस लिए नहीं उठा रहे थे कि वो बिना सूचना पांच दिवस से कार्यस्थल से गायब थे। बीपीएम महेंद्र ही वहां उपस्थित थे जिन्होंने बीसीएमओ कहां है ,इस बारे में अनभिज्ञता जाहिर की। फोन लगाने पर खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी तिजारा डॉ मनोज यादव ने फोन नहीं उठाया। जब जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी ऑफिस से निकले तो कुछ ग्रामीणों और निजी वाहन संचालकों ने उन्हें घेर लिया।

विभिन्न व्यक्तियों द्वारा मौके पर ही लिखित में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के वाहन संचालन में भ्रष्टाचार, झोलाछाप चिकित्सकों तथा विभिन्न मिष्ठान भंडार तथा डेयरी से वसूली की शिकायत की। ग्रामीणों ने

बताया कि बीसीएमओ और इनके मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी खैरथल के सहयोग से तीन सालों से वाहन निविदा निकाले बिना ही अपने चेहतों को दो चार हजार रुपए देकर फर्जी बिल बनाकर दो वाहनों के करीब एक लाख रुपए महीने के आसपास का गबन विगत तीन वर्षों से किया जाता रहा है।कुछ दिनों पूर्व भी शिकायत की गई थी ,जिसकी शिकायत मिलने पर अपने उच्च अधिकारी की कृपा से जांच के नाम पर लिपा पोती कर दी गई है,यहां तक कि विगत तीन सालों के पुरानी तारीख में नर्सिंग कर्मचारियों तथा एएनएम से सरेआम खंड कार्यालय में बैठाकर, सम्बन्धित कार्मिकों को डराकर फर्जी तौर एंट्री करवा ली है । स्कूल के बच्चों की स्वास्थ्य जांचों के नाम पर सरकार से आए गरीब बच्चों के स्वास्थ्य जांच का पैसा डकार लिया जाता है। डॉ डागर बड़ी मुश्किल से ग्रामीणों और वाहन चालकों को मामले को उच्चाधिकारियों को अवगत कराने का आश्वासन देकर निकल पाए। " प्रकरण पूर्व आरसीएचओ डॉ अरविंद गेट जो कि वर्तमान में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर हैं के समय का है ,इसलिए में व्यक्तिगत कोई टिप्पणी नहीं कर सकता। डॉ मनोज, बीसीएमओ से काफी बार रिकॉर्ड मांगा जा चुका है,जैसे ही प्राप्त होगा ,तब ही कुछ कहा जा सकता है। उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जा रहा है, प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य के बजट में किए गए किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार को माफ नहीं किया जा सकता।" डॉ हेमन्त डागर,जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी खैरथल तिजारा।

10वीं और 12वीं में जिले के प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त विद्यार्थियों का कलेक्टर ने किया सम्मान

मरुधर विशेष

करन सोनी सूरजपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा सत्र 2024-25 में जिले के प्रावीण्य सूची में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सूरजपुर जिले के मेधावी छात्र-छात्राओं का आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर एस. जयवर्धन से विद्यार्थियों ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर कलेक्टर श्री जयवर्धन ने उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने छात्रों से उनके परीक्षा परिणाम, अध्ययन पद्धति एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए प्रेरणादायक मार्गदर्शन भी प्रदान किया। उन्होंने विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सराहा और विद्यार्थियों

को और भी कड़ी मेहनत और लगन से सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कक्षा 12वीं में प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में कु. कुमकुम राजवाड़े, सेजेस बतरा; अभिषेक कुमार यादव, शा. उ. मा. वि. देवनगर एवं कु. ज्योति साहू, शा. उ. मा. वि. कंदरई शामिल हैं। वही कक्षा 10वीं के छात्रों में आयुष कुमार एवं स्वयम थवाईत (ग्लोबल पब्लिक स्कूल सूरजपुर), सतीश सिंह (सेजेस नवापारा सूरजपुर), मो. अम्बर खान (सरस्वती हा. से. सूरजपुर), कु. आस्था राजवाड़े (शा. उ. मा. वि. श्यामनगर), कु. आराध्या गुप्ता, कु. प्रिन्सी गुप्ता एवं अनुराग गुप्ता (सेजेस भैयाथान) को भी सम्मानित किया गया। इस गरिमामय अवसर पर जिला पंचायत सूरजपुर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी कमलेश नंदनी साहू, अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, एसडीएम शिवानी जायसवाल (सूरजपुर), अजय मोडियम (प्रेमनगर), सागर सिंह (भैयाथान), ललिता भगत (प्रतापपुर), डिप्टी कलेक्टर चांदनी कंवर, जिला शिक्षा अधिकारी भारती वर्मा, जिला परियोजना समन्वयक शशिकांत सिंह, सहायक संचालक विन्द्र सिंहदेव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

धारदार हथियार से बेटे ने ही कर दिया माँ के सिर पर वार

गंभीरावस्था में जयपुर रैफर

मरुधर विशेष

कोटपूतली, निकटवर्ती सीकर जिले के पाटन थाना क्षेत्र के बागावाली में एक कलयुगी पुत्र ने आपसी कहासुनी में अपनी ही माता के सिर पर धारदार हथियार से वार कर दिया। जिससे वह बुरी तरह लहुलुहान हो गई। राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल ट्रौमा सैंटर के नर्सिंग अधिकारी श्रीराम सराधना ने जानकारी देते हुये बताया कि आपसी कहासुनी में कमला पत्नी गोपीराम बावरिया के सिर पर उसके ही पुत्र भगताराम ने धारदार हथियार से वार कर दिया। वृद्धा को बेहोशी की हालत में राजकीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहाँ से उसे गंभीरावस्था में जयपुर रैफर कर दिया गया।

बाइक सवार एक महिला की स्पीड ब्रेकर पर उछलने से हुई मौत

मरुधर विशेष

कठूमर(दिनेश लेखी)। बहतुकला थाना क्षेत्र के धौलागढ़ देवी मंदिर के सामने स्पीड ब्रेकर पर उछलकर गिरने से एक बाइक सवार महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान संतोष उम्र (27) पत्नी गिरधारी जाति बैरवा निवासी खेड़ा लखनपुर के रूप में हुई है। थानाधिकारी संजय शर्मा ने बताया कि मृतका व उसका पति गिरधारीलाल जाति बैरवा सोमवार को सुबह साढ़े ग्यारह बजे धोलागढ़ देवी के दर्शन पर वापस बाइक पर अपने गांव खेड़ा लखनपुर जा रहे थे कि धौलागढ़ मंदिर के पास स्पीड ब्रेकर पर उछलने से महिला गिर गई और गंभीर रूप से घायल महिला को अलवर रैफर कर दिया गया। जहां उसकी मौत हो गई। मृतका का अलवर सामान्य अस्पताल में मृतिका का पोस्टमार्टम कराया जाकर लाश अंतिम संस्कार हेतु परिजनों के सुपुर्द कर दी गई हैं।

रोजी-रोटी के लिए जंगल तेंदूपत्ता तोड़ने गए जंगली भालू से हुआ आमना-सामना हिंसक भालू ने किया महिला पर हमला, भालू के हमले से महिला की दर्दनाक मौत

मरुधर विशेष

, करन सोनी सूरजपुर। जिले के दुराचल क्षेत्र के जंगलों में आज सुबह करीब 7 से 8 बजे के बीच तेंदूपत्ता संग्रहण के दौरान ग्राम पंचायत चिकनी, पोस्ट लांजीत, थाना चंदौरा क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना घटी कैलाश सिंह धुर्वे की पत्नी फुलमती सिंह धुर्वे 32 वर्ष की भालू के हमले में मौके पर ही महिला की दर्दनाक मौत हो गई

प्राप्त जानकारी के अनुसार, फुलमती सिंह तेंदूपत्ता तोड़ने जंगल गई थीं, तभी अचानक एक जंगली भालू से आमना-सामना हो गया।

भालू ने उन पर हमला कर बुरी तरह से घायल कर दिया। हमले में फुलमती को गहरे घाव आए, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों और वन विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायज़ा लिया। इस हादसे से क्षेत्र में भय और दुख का माहौल

ग्रामीणों की मांग है कि पीड़ित परिवार को त्वरित मुआवजा दिया जाए और भालुओं की बढ़ती सक्रियता को देखते हुए वन विभाग द्वारा जरूरी कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हो।

पंजाब के लिए बुरी खबर, कप्तान अय्यर हो सकते हैं बाहर, उंगली में लगी चोट

एजेंसी ▶▶| मुंबई

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल 2025 मैच में फील्डिंग नहीं करने के पीछे की वजह बताई है। रविवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में अय्यर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 25 गेंदों में 30 रन बनाए। हालांकि, दूसरी पारी में वह मैदान पर नहीं उतरे और उनकी जगह शशांक सिंह ने कप्तानी संभाली।

मैच के बाद अय्यर ने बताया कि अभ्यास सत्र के दौरान उनकी तर्जनी उंगली पर चोट लग गई थी, जिसके कारण वह फील्डिंग नहीं कर सके। उन्होंने कहा, 'यह उंगली की चोट है (अपनी तर्जनी की ओर इशारा करते हुए)। मुझे नहीं पता कि क्या हुआ है। कल अभ्यास के दौरान मुझे चोट लगी थी, अब मुझे जांच करानी होगी कि समस्या क्या है।'

अय्यर के नाम जुड़ा रिकॉर्ड

श्रेयस अय्यर आईपीएल इतिहास में तीन अलग-अलग टीमों को प्लेऑफ में पहुंचाने वाले पहले कप्तान बन गए हैं। उन्होंने 2019 में दिल्ली कैपिटल्स को प्लेऑफ में पहुंचाया था, 2020 में टीम को फाइनल तक ले गए थे। बाद में कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ 2024 में फाइनल में पहुंचे और अब पंजाब किंग्स को 2025 में प्लेऑफ में पहुंचाया है।

मैदान के बाहर से टीम को देते रहे निर्देश

अय्यर मैदान के बाहर से टीम को निर्देश देते रहे और खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते रहे। उन्होंने कहा, 'मैं सभी खिलाड़ियों को सकारात्मक बॉडी लैंग्वेज बनाए रखने का संदेश दे रहा था। आप कभी-कभी महसूस करते हैं कि खेल हाथ से निकल गया है, लेकिन मैं हर खिलाड़ी पर गर्व करता हूं कि उन्होंने साहसिक रवैया दिखाया।' इस जीत के साथ पंजाब किंग्स ने 10 रन से मुकाबला जीतकर प्लेऑफ में जगह बना ली।

नाइट राइडर्स ने शुक्ला, आरसीबी ने मुजरबानी को टीम में शामिल किया

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग ने सोमवार को कहा कि कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपने खिलाड़ियों के विकल्प के तौर पर क्रमशः शिवम शुक्ला और ब्लेसिंग मुजरबानी को चुना है। पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुके नाइटराइडर्स ने शेष मुकाबलों के लिए रोवमैन पावेल की जगह शुक्ला को टीम में शामिल किया है। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर पावेल को अपने टॉन्सिल की सर्जरी करानी है। लेग स्पिनर शुक्ला घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश के लिए खेलते हैं और 30 लाख रुपये में नाइट राइडर्स से जुड़ेंगे। इस बीच आरसीबी ने लुंगी एनगिडी की जगह मुजरबानी को चुना है। एनगिडी राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के कारण दक्षिण अफ्रीकी टीम में शामिल हो गए हैं। जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज मुजरबानी ने अब तक 70 टी20 मैच खेले हैं और 78 विकेट लिए हैं। इसके अलावा उन्होंने 12 टेस्ट और 55 एकदिवसीय मुकाबलों में भी जिम्बाब्वे का प्रतिनिधित्व किया है। वह 75 लाख रुपये में आरसीबी से जुड़ेंगे।

खास खबर

नीरज अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने को तैयार

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग का मानना है कि 90 मीटर की 'मानसिक बाधा' को पार करने के बाद सुपरस्टार नीरज चोपड़ा अब अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे जिससे कि वह ऐसे कार्य कर सकें जिन्हें पहले उनकी पहुंच से बाहर माना जाता था। नीरज ने शुक्रवार को दोहा डाइमंड लीग में 90.23 मीटर के प्रयास से 90 या इससे अधिक दूरी तक भाला फेंकने वाले खिलाड़ियों की एलीट सूची में जगह बनाई। नारंग ने कहा, 'अब वह अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए स्वतंत्र हैं।' एक सीमा, वह मानसिक बाधा जो शायद कुछ समय से उनके दिमाग में चल रही थी, अब टूट गई है।'

स्टोक्स ने चोट से उबरने के लिए छोड़ी शराब

लंदन। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने चिर प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी एशेज श्रृंखला के लिए तैयार होने के प्रयास में अपने पैर की मांसपेशियों की चोट के रिहैबिलिटेशन के दौरान शराब पीना छोड़ दिया है। इस दिग्गज क्रिकेटर ने कहा कि उन्होंने इस साल की शुरुआत में शराब पीना छोड़ दिया था क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि इससे उनकी चोट से जल्द उबरने में मदद मिलेगी। तैंतीस वर्षीय स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान चोट लगने के बाद दिसंबर में अपने बाएं पैर की मांसपेशियों की सर्जरी करवाई थी।

खेल स्टार्टअप के लिए की नई पहल की घोषणा

नई दिल्ली। एसोसिएशन फोर स्पोर्ट्स इंडस्ट्री प्रोफेशनल्स ने भारत में खेल स्टार्टअप के लिए नीति वकालत पहल की घोषणा की है जिसमें आईएमटी गाजियाबाद उसका भागीदार होगा। एएसआईपी भारत के खेल स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में अहम कमियों को दूर करने के लिए अपने नीति वकालत के प्रयासों को आगे बढ़ा रहा है। नवाचार और विकास को आगे बढ़ाने में स्टार्टअप की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए एएसआईपी ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि वह इस क्षेत्र में उद्यमिता, निवेश और 'स्केलेबिलिटी' का समर्थन करने के लिए एक व्यापक नीति ढांचा विकसित कर रहा है।

एचआईएचल की तीन महीने की पंजीकरण विंडो खुली

नई दिल्ली। दुनिया भर के एक हजार से अधिक पुरुष और महिला खिलाड़ियों के हॉकी इंडिया लीग की तीन महीने लंबी पंजीकरण प्रक्रिया के लिए नामांकन करने की उम्मीद है जो सोमवार से शुरू हुई। पिछले साल सात वर्ष के अंतराल के बाद एचआईएल को फिर से शुरू किया गया था जिसमें श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने पुरुष वर्ग और ओडिशा वारियर्स ने महिला वर्ग का खिताब जीता था। भारत के अलावा नीदरलैंड, बेल्जियम, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, स्पेन, अर्जेंटीना, आयरलैंड, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, मलेशिया और दक्षिण कोरिया के खिलाड़ी पुरुष वर्ग में पंजीकरण कर सकते हैं। महिला वर्ग में भारत, नीदरलैंड, अर्जेंटीना, बेल्जियम, चीन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, स्पेन, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड, आयरलैंड, चिली, जापान, अमेरिका और स्कॉटलैंड के खिलाड़ी पंजीकरण के लिए पात्र हैं। एचआईएल के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 20 अगस्त को समाप्त होगी।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	12	9	3	18
बैंगलुरु	12	8	3	17
पंजाब	12	8	3	17
मुंबई	12	7	5	14
दिल्ली	12	6	5	13
कोलकाता	13	5	6	12
लखनऊ	12	5	7	10
हैदराबाद	12	4	7	9
राजस्थान	13	3	10	6
चेन्नई	12	3	9	6

ऑरेंज कैप

साई सुदर्शन

617 रन

गुजरात

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा

21 विकेट

गुजरात

खबर संक्षेप

मेसी के केरल का दौरा करने में संदेह नहीं

कोट्टायम। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने सोमवार को कहा कि दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी की पूर्व निर्धारित राज्य की यात्रा के बारे में कोई संदेह नहीं है। इससे उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही अटकलों को खारिज किया। अब्दुरहीमान ने कहा कि अर्जेंटीना के फुटबॉल स्टार और उनकी टीम के इस साल अक्टूबर या नवंबर में राज्य में मैच खेलने की उम्मीद है। मौजूदा अटकलों को खारिज करते हुए खेल मंत्री ने जोर देकर कहा कि मेस्सी की यात्रा के बारे में 'संदेह की कोई गुंजाइश नहीं' होनी चाहिए।

सिक्किम क्रिकेट ग्राउंड में लगाई गईं फ्लडलाइट

गंगटोक। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने रंगपो के माइनिंग में सिक्किम क्रिकेट ग्राउंड में फ्लडलाइट का उद्घाटन किया। रविवार को आयोजित कार्यक्रम में सिक्किम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति बिश्वनाथ सोमद्दर भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री तमांग ने कहा, 'यह सुविधा सिक्किम सरकार के सहयोग से विकसित की गई है जिसकी बुनियादी ढांचे के विकास और जन कल्याण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता ने इस पहल को संभव बनाया है।' उन्होंने कहा कि यह राज्य में क्रिकेट के लिए एक नया अध्याय है।

उत्तर प्रदेश में बनेगा चौथा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में 236 करोड़ रुपए की लागत से राज्य का चौथा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम तैयार होगा। सोमवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान में कहा गया कि उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सरकार ने अब प्रदेश में चौथे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण की तैयारी तेज कर दी है। आईसीसी समेत विभिन्न वैश्विक संस्थाओं के मानकों के अनुसार इसमें दो मंजिला स्टेडियम का निर्माण होगा। इसमें सात मुख्य पिच व चार अभ्यास पिच होंगी तथा यह 30 हजार दर्शकों की क्षमता युक्त होगा।

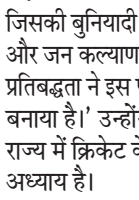

अभिषेक की शानदार फिफ्टी, राठी से मैदान पर बहस की

लखनऊ आईपीएल प्लेऑफ की रेस से बाहर, हैदराबाद ने 6 विकेट से हराया

भाषा ▶▶| लखनऊ

अभिषेक शर्मा की 20 गेंद में 59 रन की ताबड़तोड़ पारी के बाद हेनरिच क्लासेन (28 गेंद में 47), कामिन्दु मेंडिस (21 गेंद में 32 रन पर रिटायर्ड हर्ट) और इशान किशन (28 गेंद में 35 रन) के उपयोगी योगदान से सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में सोमवार को यहां लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) को छह विकेट से शिकस्त दी। इस हार के साथ ही एलएसजी की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी। एलएसजी की यह 12 मैच में सातवीं हार है और टीम 10 अंक के साथ तालिका में सातवें स्थान पर है। सनराइजर्स 12 मैच में चौथी जीत के साथ आठवें पायदान पर है। एलएसजी ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सात विकेट पर 205 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया लेकिन एसआरएच ने 18.2 ओवर में चार विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैदान पर यह पहली बार है जब लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम ने 200 से अधिक रन बनाकर जीत दर्ज की। अभिषेक ने पारी की शुरुआत में ही चार चौके और छह छक्के लगाये जिससे लक्ष्य का पीछा करते समय एसआरएच की टीम कभी दबाव में नहीं आयी। उन्होंने रवि बिश्नोई के खिलाफ लगातार चार छक्के जड़ने के दौरान 18 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। इससे पहले मिशेल मार्श और एडेन मारक्रम की बेहतरीन अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी की बदौलत एलएसजी ने प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। मार्श ने 39 गेंद की पारी में छह चौके और चार छक्के की मदद से 65 जबकि मारक्रम ने 38 गेंद में 61 रन की पारी में चार छक्के और इतने ही चौके जड़े। निकोलस पूरन ने भी 29 गेंद में 45 रन का योगदान दिया। सनराइजर्स पहले ही प्रतियोगिता से बाहर हो चुकी थी और एलएसजी को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए इस मैच में जीत की जरूरत थी।

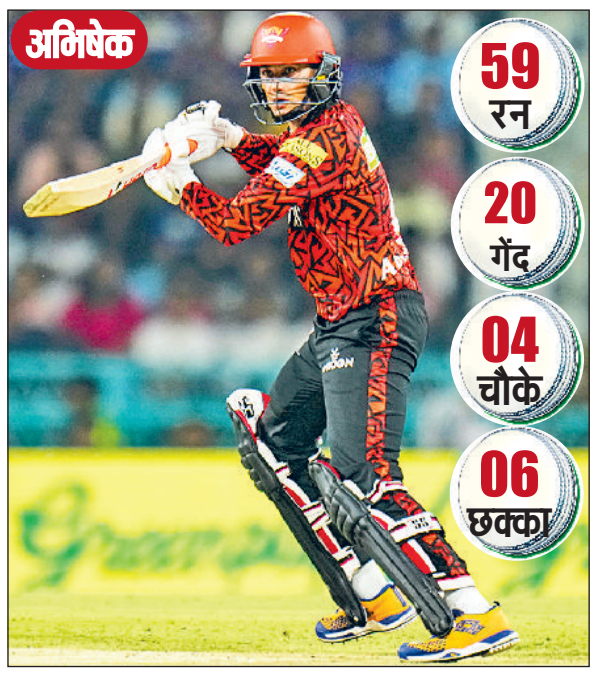

एलएसजी की बड़ी जिम्मेदारी उनके नए कप्तान ऋषभ पंत के नाम रहेगी। वह रिकॉर्ड 27 करोड़ की राशि पर खरे नहीं उतर सके। सनराइजर्स की पारी का मुख्य आकर्षण अभिषेक द्वारा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की लगातार चार गेंदों पर लगाए गए छक्के थे। उन्होंने इसमें से तीन छक्के कदमों का इस्तेमाल कर लगाये। गेंदबाजी विभाग में एलएसजी के लिए सिर्फ दिग्वेश राठी (37 रन पर दो विकेट) ही प्रभावित कर सके। राठी ने जब आठवें ओवर में अभिषेक को कैच कराने के बाद अपने चिरपरिचित अंदाज में 'नोटबुक' जश्न मनाया।

आज चेन्नई व राजस्थान के सामने आईपीएल में प्रतिष्ठा बचाने की चुनौती

नई दिल्ली। प्ले ऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकीं और अंतिम दो स्थान पर चल रही चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स की टीम मंगलवार को भिड़ेंगी। इंडियन प्रीमियर लीग में जब दोनों टीमें आपस में भिड़ेंगी जो उनकी नजरें इस मुकाबले को जीतकर अपनी प्रतिष्ठा बचाने पर टिकी होंगी। मंगलवार का मैच रॉयल्स के लिए 2025 सत्र का आखिरी मैच है। टीम के पास इस सत्र में वैभव सूर्यवंशी के रूप में असाधारण प्रतिभा खोजने के अलावा दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है। नीलामी में खराब गेंदबाजी विकल्प चुनने का जयपुर की टीम को सबसे अधिक नुकसान हुआ है और इसके अलावा उसके मध्य क्रम का प्रदर्शन भी प्रभावशाली नहीं रहा। रॉयल्स की टीम अगर 10 टीम की तालिका में नौवें स्थान पर हैं तो इसका मुख्य कारण उनके गेंदबाजों का औसत प्रदर्शन और शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अत्यधिक निर्भरता है। जोस बटलर को टीम से जाने देने और जोफ्रा आर्चर के खराब प्रदर्शन के कारण रॉयल्स के सामने कई चुनौतियां रहीं।

बीसीसीआई का दावा

एशिया कप से भारत के हटने की खबर सिर्फ अटकलबाजी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को उस खबर को 'अटकलबाजी और काल्पनिक' करार दिया जिसमें दावा किया गया है कि उसने पुरुष एशिया कप और महिला एमर्जिंग टीम एशिया कप से हटने का फैसला किया है।

सूत्रों के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि बीसीसीआई भारतीय टीमों को एशियाई क्रिकेट परिषद की दो प्रतियोगिताओं में ऐसे समय में प्रतिस्पर्धा नहीं करने देगा जब इस क्रिकेट संस्था का नेतृत्व एक पाकिस्तानी कर रहा है और कुछ ही दिन पहले दोनों पड़ोसी देशों के बीच सैन्य संघर्ष हुआ था। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के भी अध्यक्ष हैं और एसीसी के अध्यक्ष का पद भी संभालते हैं। गत चैंपियन भारत सितंबर में टी20 प्रारूप में खेले जाने वाले पुरुष एशिया कप की मेजबानी करेगा जबकि श्रीलंका को महिला एमर्जिंग टीम एशिया कप आवंटित किया गया है।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, 'आज सुबह से ही हमें कुछ ऐसी खबरों की जानकारी मिली है कि बीसीसीआई ने एशिया कप और महिला एमर्जिंग टीम एशिया कप में भाग नहीं लेने का फैसला किया है। ये दोनों ही एसीसी प्रतियोगिताएं हैं। ऐसी खबरों में कोई सच्चाई नहीं है क्योंकि अभी तक बीसीसीआई ने एसीसी की आगामी प्रतियोगिताओं के बारे में कोई चर्चा या कोई कदम नहीं उठाया है, एसीसी को कुछ भी लिखना तो दूर की बात है।'

अभी आईपीएल और टेस्ट सीरीज पर ध्यान

सैकिया ने कहा कि बीसीसीआई इंडियन प्रीमियर लीग और अगले महीने से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा, 'इस समय हमारा ध्यान मौजूदा आईपीएल और उसके बाद इंग्लैंड में होने वाली श्रृंखला पर है, जिसमें पुरुष और महिला दोनों श्रृंखलाएं शामिल हैं। एशिया कप या एसीसी की किसी अन्य प्रतियोगिता से जुड़ा मुद्दा किसी भी स्तर पर चर्चा के लिए नहीं आया है इसलिए इस पर कोई भी खबर या रिपोर्ट पूरी तरह से अटकलें और काल्पनिक है। यह कहा जा सकता है कि बीसीसीआई जब भी एसीसी की किसी प्रतियोगिता पर कोई चर्चा करेगा और कोई महत्वपूर्ण निर्णय लिया जाएगा तो मीडिया के माध्यम से इसकी घोषणा की जाएगी।'

टेस्ट कप्तानी : गिल की योग्यता का आकलन करना अभी जल्दबाजी

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के सहायक कोच आशीष कपूर का मानना है कि शुभमन गिल एक 'सोच-समझकर खेलने वाले क्रिकेटर' हैं। लेकिन यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि अगर उन्हें भारतीय टीम की कमान सौंपी जाती है तो वह टेस्ट प्रारूप में अपनी टी20 कप्तानी की सफलता को दोहरा पाएंगे या नहीं। मौजूदा सत्र में गुजरात टाइटंस को अपनी कप्तानी में आईपीएल प्लेऑफ में पहुंचाने वाले गिल को रोहित शर्मा के हाल ही में संन्यास लेने के बाद टेस्ट क्रिकेट में उनके संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है।

कपूर ने कहा, 'अगर आप शुभमन को बल्लेबाज या मूल रूप से क्रिकेटर के तौर पर देखते हैं, वह सोच-समझकार काम करने वाला है या नहीं, मुझे लगता है कि वह अपने खेल के बारे में काफी सोच-समझकर काम करता है।

अनवर ने सुपर फाइटर सीरीज में घाना के अलोटे को हराया

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

भारत के फैजान अनवर ने घाना के कपाकपो अलोटे पर 10 दौर के वेल्टरवेट अंतरराष्ट्रीय पेशेवर मुक्केबाजी मुकाबले में शानदार जीत हासिल की।

'ग्रासरुट मुक्केबाजी और क्राउन मुक्केबाजी' की मेजबानी में यह 'सुपर फाइटर सीरीज 3' का मुख्य आयोजन था। मूल रूप से कोलकाता के अनवर अब दुबई में रहते है। उन्होंने हर दौर में अपना दबदबा कायम करते हुए दर्शकों की भरपूर तालियां बटोरी। यूक्रेन के डैनिलो होन्चारू ने डब्ल्यूबीए एशिया मिडिल-ईस्ट सुपर लाइटवेट खिताब जीता। उनके प्रतिद्वंद्वी जब दागिस्तान के रुसलान कामिलोव तीसरे दौर में रिटायर हो गए। महिला वर्ग में हरियाणा की रानी देवी ने बेलारूस की अलेक्सांद्रा सिटनिकोवा को सर्वसम्मत निर्णय से हराया। अन्य मुकाबलों में मिजोरम के एफ. जोरमछाना ने बेंगलुरु के हर्ष सरोहा पर एकतरफा जीत दर्ज की। बेंगलुरु की एक अन्य पेशवर मुक्केबाज कमला रोका ने भी पंजाब की महकप्रीत पर सर्वसम्मत निर्णय से जीत हासिल की।

दीक्षा डच लेडीज ओपन में संयुक्त 9वें स्थान पर

हिल्वरसम। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर अंतिम दौर में 71 के स्कोर से यहां लेडीज यूरोपीय टूर के डच लेडीज ओपन टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर रहीं। शुरुआती दो दौर में 71 और 70 का स्कोर बनाने वाली दीक्षा का कुल स्कोर चार अंडर 212 रहा। अन्य भारतीयों में युवा हिताषी बक्शी (71, 73 और 69) संयुक्त रूप से 12वें जबकि अवनी प्रशांत (77, 70 और 67) संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर रहीं। इंग्लैंड की मिमी रोड्स ने दो शॉट की बढ़त के साथ लेडीज यूरोपीय टूर पर अपना तीसरा खिताब जीता। इससे पहले त्वेसा मलिक (74 और 75) कट से चूक गई थी जबकि प्रणवी उर्स ने चिकित्सा कारणों से पहले दौर के बाद हटने का फैसला किया।

4,75,000 डॉलर इनामी सुपर 500 टूर्नामेंट आज से होगा शुरु

सिंधू, प्रणय को मलेशिया मास्टर्स में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और एचएस प्रणय मंगलवार से यहां शुरू हो रहे 4,75,000 डॉलर इनामी मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट में जब देश की अगुआई करेंगे तो उन्हें बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। सिंधू और प्रणय दोनों ही पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म और फिटनेस समस्याओं से जूझ रहे हैं।

दोनों ने पिछले महीने सुदीरमन कप में इंडोनेशिया और डेनमार्क के खिलाफ अपने-अपने मैच गंवाए थे जो उनका पिछला प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट था। दो सप्ताह के ब्रेक के बाद इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों की नजरें एक्सियाटा एरेना में लय हासिल करने पर टिकी होंगी। विश्व रैंकिंग में 16वें स्थान पर काबिज दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू अपने अभियान की शुरुआत जापान की नात्सुकी निदाइरा के खिलाफ करेंगी जो विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर हैं। विश्व रैंकिंग में 35वें स्थान पर खिसक चुके प्रणय को पहले दौर में जापान के पांचवें वरीय केंतो निशिमोतो की कड़ी चुनौती का सामना करना है। महिला एकल में 2024 हाइलो ओपन की उपविजेता मालविका बंसोड़ चीनी ताइपे की चियू पिन-चियान से भिड़ेंगी जबकि ताइपे ओपन सुपर 300 के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली उन्नति हुड्डा का सामना भी चीनी ताइपे की ही लिन शियांग टी से होगा। आकर्षी कश्यप को इंडोनेशिया की आठवीं वरीय पुत्री कुसुमा वरदानी के खिलाफ अपना अभियान शुरू करना है।

सतीश को मिला कड़ा ड्रॉ

पुरुष एकल में 2023 ओडिशा मास्टर्स और 2024 गुवाहाटी मास्टर्स के चैंपियन सतीश करुणाकरण डेनमार्क के शीर्ष वरीय एंडर्स एंटोनसन से भिड़ेंगे। विश्व जूनियर चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता आयुष शेट्टी का सामना कनाडा के ब्रायन यैंग से होगा जबकि प्रियांशु राजावत सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेंगे। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो की दुनिया की 19वें नंबर की जोड़ी का सामना क्वालीफायर से होगा जबकि रोहन कपूर और रुतविका शिवानी गड्डे चौथी वरीयता प्राप्त चीनी जोड़ी गुओ शिन वा और चेन फैंग हुई के खिलाफ शुरुआत करेंगे।

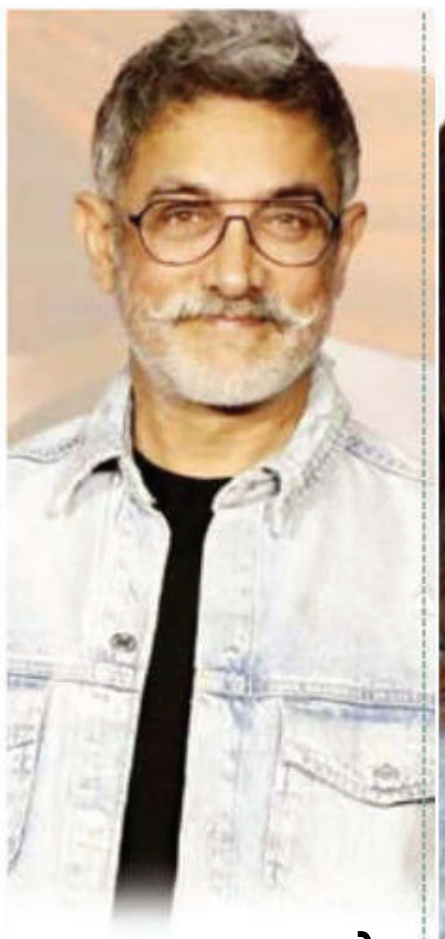

दादा साहब फाल्के की बायोपिक करने जा रहे आमिर खान

दादा साहब फाल्के को भारतीय सिनेमा का पितामह कहा जाता है। उन्होंने ही भारतीय फिल्मों की नींव रखी। तभी उनके नाम पर सिनेमा का सबसे बड़ा पुरस्कार 'दादा साहब फाल्के पुरस्कार' रखा गया। दादा साहब के जीवन और फिल्मों को लेकर उनकी कहानी काफी रोचक है। अब ये कहानी बड़े पर्दे पर भी नजर आएगी। जी हां, सही सुना आपने, दादा साहब फाल्के के ऊपर फिल्म बनने जा रही है। जानिए कौन बनाने जा रहा है ये फिल्म।

आमिर खान और राजू हिरानी की जोड़ी बनाएगी फिल्म

भारतीय सिनेमा और फिल्मों के जनक कहे जाने वाले दादा साहब फाल्के की कहानी अब हर किसी को पता चलेगी। क्योंकि दादा साहब फाल्के के जीवन पर अब फिल्म बनाने की तैयारी है। जिन्होंने भारतीय फिल्मों को लाया, अब उन पर फिल्म लाने का काम करने जा रहे हैं बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले आमिर खान। 'थ्री इडियट्स' और 'पीके' जैसी शानदार ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाली जोड़ी आमिर खान और राजकुमार हिरानी अब दादा साहब फाल्के के जीवन को पर्दे पर उतारने की तैयारी कर रहे हैं। इस जोड़ी के इस फिल्म पर काम करने से लोगों को फिल्म से काफी उम्मीदें बंधने लगी हैं। अक्टूबर में शुरू होगी फिल्म की शूटिंग आजादी की जंग के दौर में बसी ये कहानी एक ऐसे कलाकार की है, जिसने शून्य से शुरूआत कर हर मुश्किल का सामना करते हुए दुनिया की सबसे बड़ी स्वदेशी फिल्म इंडस्ट्री की नींव रखी। जानकारी के मुताबिक, इसी साल अक्टूबर से इस फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। आमिर खान अपनी आगामी फिल्म 'सितारे जमीन पर' की रिलीज के तुरंत बाद अपने किरदार की तैयारी में जुट जाएंगे। जबकि फिल्म के दौर और समय को दिखाने का काम वीएफएक्स के जरिए पहले से ही शुरू किया जा चुका है। राजकुमार हिरानी, अभिजात जोशी, हिंदुकुश भारद्वाज और अविष्कार भारद्वाज फिल्म की स्क्रिप्ट पर पिछले चार साल से काम कर रहे हैं।

दादा साहब फाल्के के पोते चंद्रशेखर श्रीकृष्ण पुसालकर ने इस प्रोजेक्ट का पूरा समर्थन किया है और दादा साहब फाल्के के जीवन से जुड़ी कई खास बातें और घटनाएं साझा की हैं। आमिर खान और राजकुमार हिरानी के फिल्म के लिए फिर से साथ आने से इस फिल्म के बड़े स्तर पर बनने की उम्मीद है।

पहले सोचा करती थी कि काश मैं उस सुपरस्टार के घर पैदा होती

हिंदी और पंजाबी फिल्मों में नाम कमा चुकीं बेहद खूबसूरत वामिका गब्बी बेबी जॉन और 83 जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। इन दिनों चर्चा में हैं वह अपनी फिल्म भूलचूक माफ को लेकर। इस फिल्म में वह राजकुमार राव के साथ नजर आ रही हैं।

आपने इंडस्ट्री में लंबा समय बिताया है और अब आपको अच्छे मौके भी मिल रहे हैं। आप अपने अब तक के सफर को किस तरह देखती हैं?

मैं इतने समय से इंडस्ट्री में हूं तो इसकी वजह मेरे माता-पिता का साथ है। उन्होंने मुझे हमेशा से बहुत सुरक्षित महसूस कराया है। मेरे पास ऐसे दोस्त थे जो मेरे साथ खड़े थे। इस वजह से मैं अपने सफर में कभी निराश नहीं हुई। मुझे लगता है कि जब आपकी खुद एनर्जी साफ होती है तो आप अच्छे लोगों को अट्रैक्ट करते हैं। जब मैं अपनी जिंदगी में खुद तैयार हो गई थी, तो मुझे लगता है कि मौका खुद मेरे रास्ते पर आ गया था। मुझे नहीं पता था कि मैं कभी ये वक्त देख पाऊंगी जब मैं भूल चूक माफ जैसी फिल्म कर रही हूं। पहले मैं ये सोचती थी कि काश मैं उस सुपरस्टार के घर पैदा होती तो जिंदगी कितनी अच्छी होती। अब मैं भगवान का शुक्रिया अदा करती हूं कि जैसी मेरी लाइफ है, जो मेरे पिता हैं, मैं उसी सुपरस्टार के लिए पैदा हुई हूं।

आने वाले दिनों में आपकी कौन सी फिल्में हैं?

मैंने एक तमिल और एक तेलुगू फिल्म की है। एक फिल्म है जीनी, ये फैंटेसी फिल्म है। एक और फिल्म दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग भी है।

आपकी नई फिल्म में दिखाया गया है कि आपका परिवार आपके लिए सरकारी नौकरी वाला लड़का ढूंढ रहा है। आपने कभी अपने आसपास ऐसा देखा है कि लोग कहते हों कि सरकारी नौकरी वाला लड़का चाहिए?

मुझे लगता है कि ये हर जगह है। सरकारी नौकरी एक तरह की सुरक्षा है जिसमें पेंशन है और बाकी सुविधाएं भी हैं। पहले तो ये बहुत ज्यादा होता था लेकिन आज उतना नहीं है। हां, छोटे शहरों में आज भी इसको बहुत महत्व दिया जाता है।

राजकुमार आज इंडस्ट्री के भी राजकुमार हैं और इन्होंने कई अच्छी फिल्में की हैं। आपका राजकुमार के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

मेरा तो राजकुमार के साथ करने का अनुभव बहुत अच्छा रहा है। मैं तो उनके साथ काम करने के लिए खुश थी। साथ ही मेरे माता-पिता बहुत खुश थे कि मैं राजकुमार के साथ फिल्म कर रही हूं। थोड़ी नर्वस भी थी लेकिन राजकुमार और डायरेक्टर करन शर्मा ने मुझे काफी सहज महसूस कराया। इसी वजह से मैं अपना बेस्ट दे पाई। शूटिंग का माहौल बहुत ही अच्छा था।

भोजपुरी वाले मुझे अफोर्ड नहीं कर सकते

पॉपुलर टीवी एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी ने भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री और वहां के एक्टर्स को लेकर चौंकाने वाला बयान दिया है। आकांक्षा पुरी हाल ही एक पॉडकास्ट में पहुंची थीं, जिसके वीडियो क्लिप्स सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। आकांक्षा पुरी पिछले कुछ समय से भोजपुरी सिनेमा में काम कर रही हैं। उनके भोजपुरी गाने यूट्यूब खूब ट्रेंड कर चुके हैं। आकांक्षा पुरी ने भोजपुरी में खेसारी लाल यादव के साथ कई भोजपुरी गाने किए हैं, जो हिट रहे हैं। उनकी जोड़ी भी काफी पसंद की जा रही है। लेकिन अब आकांक्षा का कहना है कि वह भोजपुरी में ज्यादा काम नहीं करना चाहतीं। साथ ही कहा कि भोजपुरी की हीरोइनें उनसे जलती हैं।

आकांक्षा से पहले खेसारी की जोड़ी काजल राघवानी, अक्षरा सिंह और आम्रपाली दुबे संग बनी। आकांक्षा पुरी ने कहा, भोजपुरी की फीमेल एक्टर्स मुझसे जरूर जल रही होंगी क्योंकि उनके गानों पर भी शायद इतने व्यूज नहीं आए, जितने मेरी वैक्षर स्टोरीज को आ जाते हैं। आकांक्षा पुरी ने आगे कहा, वहां बजट बहुत कम है। जो पर डे (प्रति दिन) हम लेते हैं गाने का, उतने बजट में तो वहां पूरा गाना शूट हो जाता है। तो उन लोगों के लिए हम लोगों को अफोर्ड करना थोड़ा मुश्किल है। बहुत काम तो मैं वहां नहीं करना चाहती क्योंकि मेरा बहुत नुकसान हो जाएगा।

विवेक अग्निहोत्री ने बताया क्या बनाता है अनिल कपूर को खास

फ़िल्म निर्माता विवेक अग्निहोत्री ने हाल ही में मेगास्टार अनिल कपूर के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किए, जिन्होंने चॉकलेट-डीप डार्क सीक्रेट्स में अनिल कपूर ने 'एडवोकेट कृष्ण पंडित' की भूमिका निभाई थी। इस दौरान अग्निहोत्री ने उनके बेहतरीन अनुशासन और समर्पण के कुछ अनसुने किस्से बताए, जो अनिल कपूर की कला के प्रति सच्ची लगन और सादगी को दर्शाते हैं। अग्निहोत्री ने कहा, अनिल कपूर वो ऐसे इंसान हैं जो सेट पर आते ही वहीं पे फट से कपड़े चेंज कर लेते हैं। उन्होंने बताया कि कैसे अनिल कपूर बिना झिझक शूटिंग फ्लोर पर ही कपड़े बदलकर एक काला कपड़ा पहन लेते और कहते, क्यों टाइम वेस्ट करना यार, नीचे वैन में जाने का कौन झंझट लेगा? एक किस्सा याद करते हुए विवेक ने बताया कि अनिल कपूर ने एक बार उनसे पूछा, एक बात बता, इस शर्ट का एक बटन खोलूं या दो?—इस बात को समझने के लिए कि एक सोफिस्टिकेटेड वकील किस तरह खुद को पेश करेगा। जब विवेक ने कहा कि एक बटन काफी होगा, तो अनिल बोले, अच्छा, समझ गया। तुझे अनिल कपूर की इमेज नहीं चाहिए, तुझे अनिल कपूर एक्टर चाहिए। अच्छा, ठीक है। यही स्पष्टता, जिज्ञासा और किरदार में गहराई से उतरने की आदत उन्हें दूसरों से अलग बनाती है।

उन्होंने यह भी साझा किया कि एक सीन के दौरान अनिल कपूर की इंटेंसिटी देखकर खुद इरफान खान भी एक पल के लिए ठहर गए थे—यह इस बात का सबूत है कि अनिल कपूर की उपस्थिति कितनी प्रभावशाली होती है। विवेक अग्निहोत्री ने यह भी बताया कि एक बार जब वे अनिल कपूर की वैनिटी वैन में गए, तो उन्होंने देखा कि अनिल, राज कपूर के पुराने सीन देख रहे थे। पूछने पर अनिल ने कहा, इंस्पिरेशन चाहिए होती है यार। जब ग्रेट लोगों को देखते हो ना, तो दिल के अंदर कुछ अलग ही चीज़ जगती है। हर डायलॉग परफेक्ट नहीं हो सकता, लेकिन राज कपूर जैसे महान लोगों को देखने से उन्हें प्रेरणा मिलती है, अनिल कपूर लगातार महान अभिनेताओं से प्रेरणा लेकर अपने कौशल को निखारते हैं, जिस पर विवेक अग्निहोत्री अभिनेता की प्रशंसा करते हुए कहते हैं, इसीलिए मुझे अनिल कपूर, नाना पाटेकर, और मिथुन दा जैसे लोगों के साथ काम करने में अलग ही मजा आता है। जल्द ही दर्शक अनिल कपूर की वही तीव्रता उनकी आने वाली फिल्म सूबेदार में देख पाएंगे, जिसका निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। यह फिल्म एक अत्यधिक सम्मानित सेना अधिकारी की भावनात्मक यात्रा को दर्शाएगी, जो व्यक्तिगत क्षति से जूझते हुए अपनी ड्यूटी के प्रति समर्पित रहता है। यह फिल्म एक गहन और प्रभावशाली परफॉर्मेंस का वादा करती है। सूबेदार का प्रीमियर ओटीटी पर होने वाली है, और उम्मीदें बहुत अधिक हैं क्योंकि अनिल कपूर एक बार फिर ऐसी भूमिका में हैं जो गंभीरता और संवेदनशीलता दोनों को एक साथ जीवंत करेंगे।

अलगाव की अफवाहों पर बोलीं युविका मैंने चुप रहना बेहतर समझा

प्रिंस नरूला और युविका चौधरी की मुलाकात 'बिग बॉस 9' के दौरान हुई, इसके बाद ही ये रिलेशनशिप में आए। साल 2018 में ये दोनों शादी के बंधन में बंध गए। पिछले साल इनके अलगाव की खबरों ने तब जोर पकड़ा, जब युविका और प्रिंस माता-पिता बने। दरअसल, प्रिंस ने बेटी के जन्म पर कहा था कि युविका ने इसकी जानकारी उन्हें नहीं दी। जिस दिन युविका हॉस्पिटल पहुंची, प्रिंस शूटिंग में व्यस्त थे। इसी बात के कारण ही प्रिंस और युविका के अलगाव की अफवाहों ने जोर पकड़ लिया। अब युविका ने इन्हीं सब अफवाहों को लेकर चुप्पी तोड़ी है।

अफवाह का असल कारण बताया

बातचीत में युविका कहती हैं, 'हम दोनों घर पर नहीं बैठ सकते थे किसी को बाहर जाकर काम करना था। मैं भी खुश थी प्रिंस हमारे लिए इतनी मेहनत कर रहे हैं। प्रिंस अपने प्रोजेक्ट्स में व्यस्त रहते थे, उसी दौरान हमारा घर भी बन रहा था। प्रिंस घर और काम दोनों को देखकर रहे थे। उसी दौरान कुछ लोगों ने मेरा व्लॉग देखा और अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि हमारा अलगाव हो रहा है। इस वजह से हमारे पैरेंट्स काफी परेशान हो गए।'

युविका ने सफाई क्यों नहीं दी

युविका आगे कहती हैं, 'अगर मैं मीडिया में आकर इन बातों के बारे में सफाई देती तो ये बातें और बढ़ सकती थीं। ऐसे में मैंने चुप रहना ही बेहतर समझा। मुझे पता था एक दिन सब कुछ नॉर्मल हो जाएगा। जबकि प्रिंस मुझे अलग हैं। वह काफी इमोशनल, हाइपर भी हैं। इसके बावजूद हमने इस सिचुएशन को अच्छे से हैंडल किया।'

युविका का करियर फ्रंट

इन दिनों युविका चौधरी करियर ब्रेक पर हैं, वह अपनी बेटी की परवरिश पर ध्यान दे रही हैं। साथ ही अपना एक व्लॉगिंग चैनल भी यूट्यूब पर चलाती हैं। युविका ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'ओम शांति ओम' से की थी, इसके बाद वह कई फिल्मों, टीवी सीरियल और रियालिटी शो में नजर आई।

'केसरी वीर' से सूरज पंचोली का फिल्मों में कमबैक

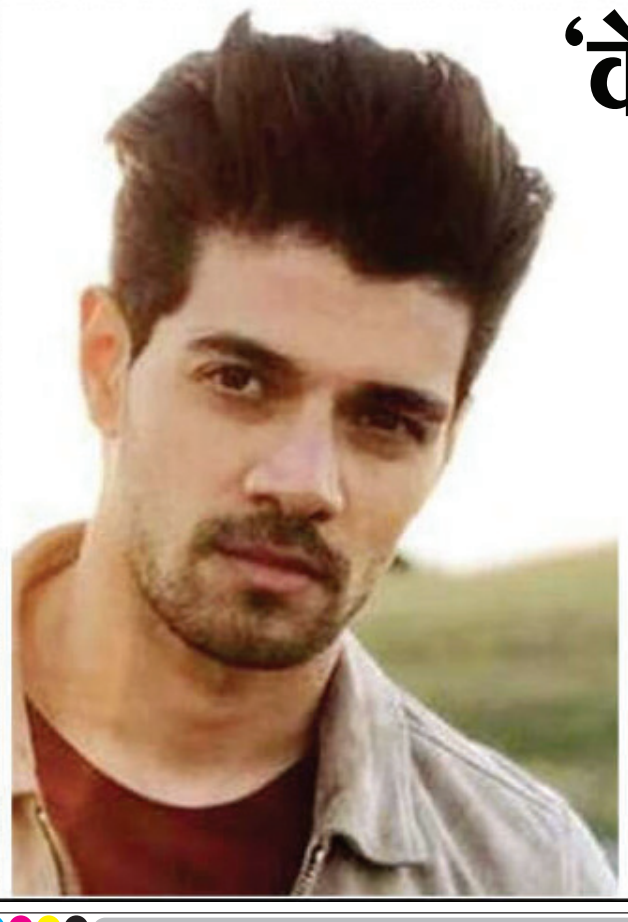

फिल्म केसरी वीर से एक्टर सूरज पंचोली चार साल बाद बॉलीवुड में वापसी कर रहे हैं। इसी फिल्म से आकांक्षा शर्मा भी अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करेंगी। फिल्म में सोमनाथ मंदिर की कहानी दिखाई जाएगी। सूरज पंचोली और आकांक्षा शर्मा के अलावा फिल्म में सुनील शेट्टी और विवेक ओबेरॉय भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हाल ही में सूरज ने खास बातचीत की। उन्होंने कहा कि हमें इस फिल्म में काम करने का मौका मिला, यह हमारे लिए गर्व की बात है।

चार साल बाद आप फिल्मों में कमबैक कर रहे हैं। इस पल को लेकर आप कैसा महसूस कर रहे हैं और आपके जज्बात क्या है?

मैं वाकई बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। काफी लंबे समय बाद फिल्मों में वापसी हो रही है। फिल्म तो सही है, लेकिन जो चीज मैंने सबसे ज्यादा मिस की, वो है प्रमोशन का दौर। लोगों से मिलना, बातें करना, वो माहौल। ये सब सच में बहुत याद आता था। एक बार फिर से उसी जगह लौटकर बेहद खुशी हो रही है।

आपको इस फिल्म का ऑफर कैसे मिला था और उस वक्त आपके क्या एहसास थे?

फिल्म के प्रोड्यूसर कनु चौहान सर हमारे घर आए थे। उनके आने से कुछ दिन पहले ही मैं सोमनाथ गया था, इसलिए मुझे सोमनाथ के इतिहास के बारे में अच्छी जानकारी थी। जब मुझे बताया गया कि मुझे एक योद्धा का किरदार निभाना है, तो मैं बेहद खुश हुआ। यह मेरा सपना था कि मैं अपने जीवन में कभी एक योद्धा का रोल निभाऊं। इसलिए इस मौके को पाकर मैं काफी खुश हूं।

फिल्म में आपने एक योद्धा का किरदार निभाया है। आपकी निजी जिंदगी भी किसी योद्धा से कम नहीं रही है। ऐसे में आपका यह कमबैक कितना चुनौतीपूर्ण या खास रहा?

सच कहूं तो मुझे पहले भी फिल्में ऑफर हो रही थीं, लेकिन मैं सिर्फ एक सही फिल्म और सही समय का इंतजार कर रहा था। फिर वो मौका आया भी। बिल्कुल सही वक्त पर। मेरा मानना है कि हर अच्छी चीज अपने तय समय पर ही होती है। इसलिए यह कमबैक मेरे लिए बहुत खास रहा और इसके लिए मैं दिल से भगवान का धन्यवाद करता हूं।

जब आप फिल्मों से दूर थे, उस दौरान आप क्या कर रहे थे?

मैं बस खाना खाता था और सोता था। इसके अलावा, मैं खुद पर ध्यान दे रहा था और खुद को फिट रखने की कोशिश कर रहा था। सबसे बड़ी बात, मैं फिल्मों में वापसी का इंतजार कर रहा था।

आजकल बॉलीवुड में इतिहास और संस्कृति पर कई फिल्में बन रही हैं। जो हिट भी हो रही हैं। हाल ही में आई छावा। आपकी फिल्म भी इतिहास पर आधारित है। क्या आपको लगता है इससे आपकी फिल्म को फायदा मिलेगा?

स्कूलों में हमारे वीर योद्धाओं के बारे में ज्यादा पढ़ाया नहीं जाता और न ही उन पर बहुत सी किताबें उपलब्ध हैं। ऐसे में यह फिल्म हमारी तरफ से केसरी वीरों को एक छोटा-सा ट्रिब्यूट है। उन वीरों को जिन्होंने देश के लिए बलिदान दिया और लोगों की रक्षा के लिए खड़े रहे।

हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर आप क्या कहना चाहेंगे?

जो कुछ भी पहलगाम में हुआ, वह बेहद दुखद और पीड़ादायक है। लेकिन हमें इस बात का भरोसा है कि हमारी सरकार और हमारे सैनिक वहां पूरी मजबूती से मौजूद हैं और हमें सुरक्षित रखने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। वे ही हमारे असली केसरी वीर हैं।

सुनील शेट्टी के साथ काम करके कैसा लगा? क्या आपने उनसे कुछ सीखा?

मुझे सुनील सर के साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा भी। सुनील सर की बेटी, आथिया, मेरी पहली को-स्टार थीं। कहते हैं ना, जिसके साथ आप पहली बार काम करते हैं, वह हमेशा खास होता है, आथिया भी मेरे लिए वैसी ही हैं। उसी दौरान मेरी मुलाकात सुनील सर से हुई थी, और तब से लेकर आज तक उन्होंने मुझे हमेशा प्रेरित किया है।

क्या आप अपने अगले प्रोजेक्ट्स के बारे में कुछ बताना चाहेंगे?

अभी मेरा पूरा फोकस फिल्म केसरी वीर पर है, जो जल्द ही रिलीज होने वाली है। फिलहाल मैं सिर्फ इसी प्रोजेक्ट पर ध्यान दे रहा हूं। आने वाले वक्त में देखते हैं कि क्या नया आता है।

पत्रकारों के सच्चे हितैषी थे दिवंगत विक्रम राव , आईएफडब्लूजे ने दी श्रद्धांजलि

मरुधर विशेष

हनुमानगढ़, (प्रभु राम) इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय के विक्रम राव को आज हनुमानगढ़ में पत्रकारों द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। हनुमानगढ़ जंक्शन के जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के पदाधिकारियों सहित पत्रकारों ने के विक्रम राव को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार मदन अरोड़ा ने के विक्रम राव की जीवनी पर प्रकाश डाला और कहा कि करीब दो दशक पूर्व हनुमानगढ़ में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में के विक्रम राव हनुमानगढ़ पधारे थे। इस दौरान मदन अरोड़ा ने के विक्रम राव द्वारा पत्रकारों के लिए संघर्ष और सरकारी दमन के खिलाफ आंदोलनों पर भी प्रकाश डाला। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी राजपाल, वरिष्ठ पत्रकार मदन अरोड़ा, राजू रामगढ़िया, गोविंद लालवानी, अदरीश खान, पुरुषोत्तम झा, राजेंद्र राठौड़, लखविंद्र सिंह, देशराज, गुरविंद्र शर्मा, राजेश अग्रवाल काकू आदि पत्रकार उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा बैठक में जिला कलेक्टर सख्तः आयुष्मान योजना में क्लेम रिजेक्शन पर जताई नाराजगी

मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना का व्यापक प्रचार करने के निर्देश

हीटवेव से बचाव के लिए पुख्ता व्यवस्थाओं के निर्देश

मरुधर विशेष

हनुमानगढ़, (प्रभु राम): सोमवार को जिला कलेक्टर श्री काना राम की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मौसमी बीमारियों की चुनौतियों और स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। जिला कलेक्टर ने स्वास्थ्यकर्मियों को 'कर्मयोगी पोर्टल' पर अधिक से अधिक ऑनलाइन कोर्स करने के निर्देश दिए। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत सरकारी अस्पतालों में रोगी पंजीकरण को ऑनलाइन करने हेतु क्यूआर कोड और स्टैंडियों की स्थापना के आदेश भी दिए गए, जिससे मरीजों को पर्ची कटवाने के लिए लंबी कतारों में खड़ा नहीं होना पड़े।

मानस नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत 179 शिविरों का आयोजन

मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के अंतर्गत जिला चिकित्सालय और सीएचसी स्तर पर क्लेम रिजेक्शन की स्थिति पर जिला कलेक्टर ने नाराजगी जताई। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) को सभी अस्पतालों का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध पैकेजों की समीक्षा के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने कहा कि पीएम जन आरोग्य योजना के यूएमपी पोर्टल पर राज्य की योजनाओं से संबद्ध अस्पतालों का पंजीकरण करवाए और योजना का लाभ राज्य के बाहर के मरीजों तक पहुंचाने का प्रयास करें।

मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना के अंतर्गत घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुँचाने पर मददगार को 10,000 रुपए की सहायता दी जाती है। जिला कलेक्टर ने इस योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए।

हीटवेव से बचाव के लिए पुख्ता व्यवस्थाओं के निर्देश

हीटवेव को देखते हुए जिला कलेक्टर ने प्रत्येक 15 दिन में मनरेगा साइट, मंडियों और ईंट भट्ठों का निरीक्षण करने तथा अस्पतालों में कूलर, पानी, एसी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।टीबी मरीजों के लिए प्रत्येक माह एक दिन फॉलोअप कैंप आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। लाड़ो प्रोत्साहन योजना की लंबित फाइलों को जल्द निपटाने और जिले में चल रहे भवन निर्माण कार्यों की तीन माह में एक बार अनिवार्य रूप से संयुक्त निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए।

मानस नशा मुक्ति अभियान अंतर्गत 179 शिविरों का आयोजन

बैठक में सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा ने जानकारी दी कि 'मानस नशा मुक्ति अभियान' के तहत इस माह 12 शिविर लगाए गए है, जिनमें 488 मरीजों को देखा गया। अब तक जिले में कुल 179 शिविरों में 7,108 मरीजों का उपचार किया जा चुका है।

ग्राम चौहानपुर में संपत्ति के अथक प्रयास से कराया गया भव्य राष्ट्रीय अशोक स्तंभ का निर्माण

मरुधर विशेष

मैनपुरी(अजय सक्सेना)। विकासखंड जागीर के ग्राम चौहानपुर में एक दंपति द्वारा अथक प्रयास के बाद विशाल राष्ट्रीय चिन्ह अशोक स्तंभ का निर्माण कराया गया जो आसपास के क्षेत्र में सबसे ऊंचा बताया जा रहा है जिसकी ऊंचाई 50 फीट है। आपको बताते चले कि मनोज शाक्य एडवोकेट व उनकी पत्नी विनीता शाक्य काफी समय से गांव चौहानपुर में राष्ट्रीय अशोक स्तंभ की स्थापना करने का प्रयास कर रहे थे उन्हीं के पल पर गांव के रामऔतार शाक्य और कृष्ण मुरारी ने अशोक स्तंभ के लिए पंचशील महिला विकास समिति को भूमि दान की। भूमि दान मिलते ही मनोज वह विनीता ने गांव वाले एवं रिश्तेदारों,जनप्रतिनिधियों, क्षेत्र वासियों के सहयोग से गांव में 50 फीट का राष्ट्रीय अशोक स्तंभ का निर्माण कराया। मनोज ने जानकारी देते हुए बताया कि अशोक स्तंभ सारनाथ से लिया गया। अशोक स्तंभ का निर्माण बिहार के कारीगरों द्वारा कराया गया है

प्राथमिक विद्यालय में ब्लॉक शैक्षिक संसाधन केंद्र भोगांव के भवन का लोकार्पण

बीएसए दीपिका गुप्ता ने किया फीता काटकर भवन का किया लोकार्पण

मरुधर विशेष

मैनपुरी/भोगांव(अजय सक्सेना)। छोटा बाजार स्थित भोगांव के प्राथमिक विद्यालय में ब्लॉक शैक्षिक संसाधन केंद्र भोगांव के भवन का जीर्णोद्धार के लोकार्पण दीपिका गुप्ता जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मैनपुरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मैनपुरी ने कहा की इसी प्रकार जनपद की प्रत्येक बी आर सी का कायाकल्प किया जाना है। ब्लॉक का प्रत्येक प्रधानाध्यापक जब बीआरसी केंद्र पर प्रशिक्षण करने आएगा वह बी आर सी के कायाकल्प को देखकर अपने विद्यालय को भी कायाकल्पित करेगा। अब हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम अपने विद्यालय को व अपने विकासखंड को एवं जनपद को निपुण बनाने का कार्य करें। सर्वेश सिंह यादव खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि 21 मई 2025 से प्रत्येक परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय एवं कंपोजिट विद्यालय में समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है जिसमें शिक्षामित्र एवं अनुदेशक प्रातः 7:00 से 10:00 तक बच्चों को नई गतिविधियों के माध्यम से समर कैंप का आयोजन करेंगे। इस अवसर पर राकेश चतुर्वेदी पूर्व बी आर सी सुल्तानगंज का सम्मान बी आर सी स्टाफ किया गया। इस अवसर पर कपूर सिंह परिहार, खंड शिक्षा अधिकारी बेवर, सुनील कुमार दुबे खंड शिक्षा अधिकारी किशनी, जमील अहमद खंड शिक्षा अधिकारी घिरोर, गौरव कुमार जिला समन्वयक निर्माण, सुखेंद्र यादव एस आर जी, पूर्व ए आर पी एवं वर्तमान ए आर पी, मोहम्मद रफी खां ने शैक्षिक संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त किये। संचालन कमल पांडे द्वारा किया गया।

प्रधानमंत्री के 22 मई को देशनोक में प्रस्तावित सभा को लेकर मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने की वीसी के माध्यम से तैयारियों की समीक्षा

जिले से पहुंचेंगे 2500 से अधिक लाभार्थी

मरुधर विशेष

हनुमानगढ़, (प्रभु राम): प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 22 मई को प्रस्तावित देशनोक दौरे को लेकर तैयारिया जोरों पर हैं। इसी क्रम में सोमवार को मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर के 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों के लोकार्पण कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा हुई, जिनमें राजस्थान के 8 स्टेशन भी शामिल हैं। वीसी के दौरान मुख्यमंत्री ने बीकानेर, श्रीगंगानगर, चूरू, हनुमानगढ़, फलोदी, नागौर, जोधपुर सहित कई जिलों के कलेक्टर्स से तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं को समयबद्ध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

हनुमानगढ़ जिला कलेक्टर श्री काना राम ने जानकारी दी कि जिले के हजारों लाभार्थियों के देशनोक में होने वाली प्रधानमंत्री की सभा में भाग लेने की उम्मीद है। इसके लिए पर्याप्त बसों की व्यवस्था की गई है। गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग को प्रत्येक बस में आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

वीसी बैठक में जिला कलेक्टर के साथ अतिरिक्त जिला कलेक्टर श्री उम्मेदी लाल मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जनेश तंवर, जिला रसद अधिकारी श्री सुनील कुमार घोड़ेला सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बूंदी ज़िले केशोरायपाटन

मरुधर विशेष

सुनील मेघवाल संवाददाता शिक्षक संघ राष्ट्रीय के सदस्यों ने विद्यालय में लगाया परिंडा केशोरायपाटन राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उपशाखा के.पाटन के अध्यक्ष द्वारा सामाजिक सरोकार के कार्यों की कड़ी में अपने कार्यस्थल पर बेजुबान पक्षियों के लिए भीषण गर्मी में पानी की व्यवस्था करते हुए परिंडा लगाया। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय हालिहेड़ा की संस्थाप्रधान मंजू शर्मा ने बताया कि गांव के ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सौभाग बाई को नियमित रूप से परिंडे में पानी भरने को भी निर्देशित किया है। शिक्षक बालमुकुंद मीणा ने कहा कि विद्यालय और आंगनवाड़ी परिसर में परिंडे लगाए हैं। शिक्षक शिवराज वर्मा ने बताया कि घर पर भी आवारा मवेशियों के लिए पानी की व्यवस्था की है। विशेष शिक्षा के प्रमोद नागर ने कहा कि संगठन के ध्येय के अनुसार सभी शिक्षक यथासंभव प्रकृति सरंक्षण और विभिन्न सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी निष्ठा प्रदर्शित करते हैं। शिक्षिका देवेंद्र कौर सपना शर्मा गायत्री शर्मा शारीरिक शिक्षक मुकेश मीणा कवि नवीन बैरागी भी उपस्थित रहे और एक एक परिंडा लगाने का संकल्प लिया

अभिभाषक संघ सीकरी के बार हॉल का हुआ शिलान्यास

नगर-सीकरी में लिखी जा रही विकास की नई गाथा- बेढ़म

मरुधर विशेष

संवाददाता सलीम खान डीग, । गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म सोमवार को डीग जिले के उपखंड सीकरी पहुंचे जहां उन्होंने नगर पालिका सीकरी एवं अभिभाषक संघ सीकरी के बार हॉल का शिलान्यास किया। सीकरी पहुंचते ही गृह राज्य मंत्री का भव्य स्वागत किया गया एवं अभिभाषक संघ ने श्री राम लल्ला की तस्वीर भेंट कर उनका अभिवादन किया। बार हॉल के शिलान्यास से पूर्व श्री बेढ़म ने वैदिक मंत्रोच्चारण के मध्य विधि-विधान के साथ भूमि पूजन किया एवं सभी के सुख, शांति व समृद्धि के लिए प्रार्थना की। अभिभाषकों द्वारा सीकरी में बार हॉल बनाने का प्रयास कई सालों से किया जा रहा था, लेकिन इसे मूर्तरूप गृह राज्य मंत्री बेढ़म के कर कमलों द्वारा दिया गया। ये प्रयास वर्तमान और भविष्य के अभिभाषकों को कानूनी क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा, तकनीकी बदलाव, आर्थिक दबाव, और नैतिक मुद्दे से निपटने में सक्षम प्रणाली के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं। गृह राज्य मंत्री बेढ़म ने कहा कि इस कार्य के साथ ही अभिभाषकों को सभी तरह की सुविधा प्रदान की जाएगी, साथ ही अन्य वकीलों के साथ बातचीत करने का अवसर भी मिलेगा जिससे आपसी तालमेल बनाने और सहयोग करने के लिए एक आरामदायक वातावरण उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि अभिभाषक आमजन के हितों की रक्षा करते हुए सत्य को व्यक्त करें और कानून का सम्मान करें। गौरतलब है कि सीकरी की आबादी निरंतर बढ़ रही है, इस क्षेत्र में अभिभाषकों के लिए किसी प्रकार का बैठक स्थान न होने के कारण सभी को समस्या का सामना करना पड़ता था। गृह राज्य मंत्री को जब इस बात का पता चला तो उन्होंने संवेदनशीलता दिखाते हुए कार्य को प्रमुखता के साथ पूरा करने की बात कही। उन्होंने कहा कि भजनलाल सरकार समाज के प्रत्येक तबके के उद्धार के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे में बार रूम में फर्नीचर और पर्याप्त स्वच्छता प्रावधान होने से उन्हें अपने कर्तव्यों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने में मदद मिलेगी। वे यहां जटिल मामलों पर चर्चा कर सकते हैं, सलाह दे सकते हैं और ज्ञान साझा कर सकते हैं।

कठूमर नगर पालिका में चल रहा मनरेगा कार्य में रोजगार सहायक प्रशांत कुमार द्वारा किया जाता है हाजिरी के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा

मौके पर कच्चे रजिस्टर में होती है हाजिरी तथा ओरिजिनल मिस्टल में घर पर करता है बडा फर्जीवाड़ा

मरुधर विशेष

कठूमर (दिनेश लेखी)। नगर पालिका क्षेत्र में शहरी मनरेगा कार्य योजनान्तर्गत धैनावाडी वाली पोखर में व सफाई कार्य मनरेगा योजना में फर्जी हाजरी भरने का बहुत बड़ा फर्जीवाडे का खेल चल रहा है। जानकारी के अनुसार नगर पालिका क्षेत्र में शहरी रोजगार गारंटी योजना के तहत मनरेगा का कार्य चल रहा है जिसको लेकर नरेगा कार्मिकों के द्वारा मस्टरोल निकाल कर मनरेगा श्रमिकों को काम दिया जाता है। जिनमें सफाई, पौधे के लिए गड्ढा खोदना, पौधे लगाना सहित अन्य कार्य कराया जाता है। उधर श्रमिक से हाजरी को लेकर पूछा गया तो उन्होंने बताया कि रोजगार सहायक प्रशांत कुमार हाजरी लेने मौके नहीं आता है। किसी दूसरे श्रमिक से कच्चे रजिस्टर में हाजरी भरवाता है। वही ओरिजिनल मिस्टल मौके पर उपलब्ध नहीं रहती है। रोजगार सहायक मनमर्जी कर मस्टरोल में अपने चाहते परिचित लोगों की फर्जी हाजिरी चलाता हैं। और उन पर से आधे पैसे लेने की जानकारी मिली। वही इस भीषण गर्मी को देखते हुए सरकार द्वारा नरेगा में कार्य करने वाली लेबर को लेकर छाया पानी सहित मेडिकल किट व अन्य व्यवस्थाऐ करने के आदेश दे रखे हैं लेकिन नरेगा कार्मिक सरकार को चूना लगा कर इन सब चीजों के नाम पर इतिश्री कर रहे हैं और इन सब सुविधाओं का पैसा उठा रहे हैं , कार्यस्थल पर मेडिकल किट, छाया व पानी की पर्याप्त व्यवस्था भी नही रखी जाती है। इधर नगर पालिका कनिष्ठ अभियंता मुकेश मीना से दूरभाष पर हुई बातचीत में बताया कि मनरेगा में चल रहे कार्यों पर कोई भी मेट नहीं बना रखा है और रोजगार सहायक हाजिरी भरता है। जबकि जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचते हैं। जबकि रोजगार सहायक प्रशांत कुमार वायरल वीडियो में बोलता हुआ बता रहा है कि दोनों कार्यो पर मेट का नाम ऊपर से आया है।

अवैध रेत परिवहन एवं भण्डारण पर की गई कार्रवाई

मरुधर विशेष, करन सोनी

बलरामपुर। जिले में कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के निर्देशन में अवैध रेत के उत्खनन एवं परिवहन पर सख्ती से कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में अनुभाग रामानुजगंज अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी देवेन्द्र प्रधान के मार्गदर्शन एवं तहसीलदार मनोज पैकरा के नेतृत्व में राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग द्वारा अवैध रेत परिवहन करते ट्रैक्टर एवं अवैध रूप से भण्डारित रेत को जब्त किया गया है।

ग्राम विजयनगर में सेंदूर नदी से 03 टैऊक्टर के द्वारा अवैध रूप से रेत उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा था। इसी प्रकार औरादामर में 200 ट्रिप अवैध रेत भण्डारित कर रखा गया था, जिसे तहसीलदार मनोज पैकरा की संयुक्त टीम ने कार्यवाही करते हुए जब्त किया है। विदित हो कि राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा अवैध रेत उत्खनन एवं भण्डारण पर लगातार कार्यवाही की जा रही है।

अलवर में सीएम भजनलाल शर्मा के किसान सम्मेलन में मुंडावर विधानसभा क्षेत्र से डॉ अंजलि यादव के नेतृत्व में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे

मरुधर विशेष

मुंडावर (रमेश चंद) अलवर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सोमवार को किसान सम्मेलन में मुंडावर विधानसभा से भाजपा नेत्री डॉक्टर अंजली यादव के नेतृत्व में हजारों की संख्या में कार्यकर्ताओ अलवर पहुंचकर मुख्यमंत्री की सभा में भाग लिया।अलवर में आयोजित प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की किसान सम्मलेन (सरस डेयरी, अलवर) में भाजपा नेत्री डॉ. अंजली यादव के नेतृत्व में विधानसभा क्षेत्र मुंडावर के ततारपुर से हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। डॉ अंजलि यादव ने बताया कि यह जनसमूह भाजपा के प्रति जनआस्था और संगठन के प्रति समर्पण का प्रत्यक्ष प्रमाण है। डॉ. अंजली यादव ने कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह जनसमर्थन आने वाले समय में भाजपा को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के सर्वांगीण विकास और सुशासन की प्रशंसा की।

नौगई गांव में 80 वर्षीय बुजुर्ग को घर पहुंच स्वास्थ्य सेवा का लाभ

राष्ट्रीय बुजुर्ग स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत फिजियोथेरेपी, पंचकर्म, योग और औषधियों से किया गया उपचार

मरुधर विशेष

करन सोनी कोरिया। राष्ट्रीय बुजुर्ग स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत कोरिया जिले के ग्राम नौगई में चल-फिर नहीं सकने वाले बुजुर्गों को ध्यान में रखते हुए घर पहुंच स्वास्थ्य सेवा का आयोजन विगत दिनों किया गया। यह सेवा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कटगोड़ी के उपस्वास्थ्य केंद्र नौगई के माध्यम से कलेक्टर चंदन त्रिपाठी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार प्रदान की गई।

इस अभियान के तहत 80 वर्षीय उग्रनाथ तिवारी के घर पहुंचकर उनका उपचार किया गया। उन्हें कमर दर्द और दाएं पैर को मोड़ने व सीधा करने में कठिनाई हो रही थी। चिकित्सा दल ने फिजियोथेरेपी, पंचकर्म, योग अभ्यास और आवश्यक औषधियों के माध्यम से उनका उपचार किया।

बुजुर्ग के परिजनों को उन्हें नियमित रूप से मालिश, प्राणायाम, व्यायाम तथा संतुलित आहार देने की सलाह दी गई ताकि उपचार का प्रभाव लगातार बना रहे और जीवनशैली में सुधार हो। इस सेवा कार्य में डॉ. राजकुमार शर्मा (पीएचसी कटगोड़ी), डॉ. रमाकांत कुर्रे (योग चिकित्सक, एनसीडी क्लिनिक बैकुंठपुर), गजेन्द्र कुमार साहू (पंचकर्म सहायक, जिला अस्पताल आयुष विंग कोरिया) और शिवकुमार साहू औषधालय सेवक ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय बुजुर्ग स्वास्थ्य कार्यक्रम का उद्देश्य

राष्ट्रीय वयोवृद्ध स्वास्थ्य संरक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य बुजुर्गों को स्वस्थ, सम्मानजनक और सक्रिय जीवन प्रदान करना है। बुजुर्गों को बीमारियों से बचाने के लिए व्यायाम, संतुलित आहार, और गिरने से रोकथाम पर विशेष ध्यान देना है। स्वास्थ्य जागरूकता, जीवनशैली में सुधार, तनाव प्रबंधन और नियमित स्वास्थ्य जांच को बढ़ावा देना है। बुजुर्गों को उम्र से संबंधित बीमारियों की पहचान और रोकथाम की जानकारी देना है।

मरुधरहिंद 24 न्यूज़ प्राइवेट लिमिटेड के लिए महारानी प्रिन्टर्स 17 वैष्णोदेवी नगर कालवाड़ रोड़ जयपुर से मुद्रित,। मो. 9653906665, , (राजस्थान संपादक विशाल यादव 8875020583) (राजस्थान सहसंपादक सुनील कुमार 98878 77947) 7014373732